खार्ग द्वीप-पुल को भी बनाया निशाना, एक साथ 50 ठिकाने तबाह

DBD
दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

समय सीमा से पहले ही ईरान पर अमेरिका के ताबड़तोड़ हमले

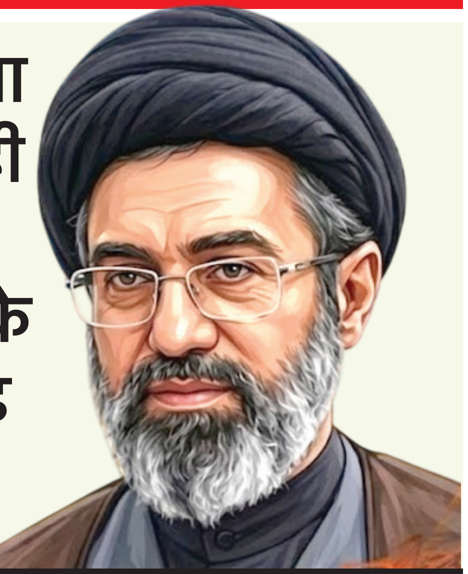

ईरान की 4000 साल पुरानी सभ्यता, जिसे रोम और ग्रीस नहीं मिटा सके... अब मिटाने चले हैं ट्रंप!

ईरान पर डेडली अटैक

एजेंसी | तेहरान

अमेरिका और ईरान के बीच चल रही जंग अब एक बेहद खतरनाक मोड़ पर पहुँच चुकी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर अब तक की सबसे बड़ी और खौफनाक चेतावनी दे दी है। ट्रंप का कहना है कि अगर ईरान ने अपना रुख नहीं बदला, तो आज रात ही ईरान का वजूद खत्म कर दिया जाएगा। इस कड़े ऐलान के साथ ही गुस्से से भरे अमेरिका ने अपनी सैन्य कार्रवाई को कई गुना तेज कर दिया है। ईरान के इंफ्रास्ट्रक्चर को एक-एक करके उखाड़ा जा रहा है. इसमें एनर्जी सेक्टर, ट्रांसपोर्ट, कमांड सिस्टम और रेवेन्यू के साधनों को निशाना बनाया गया। यह एक देश को पूरी तरह से अक्षम बनाने की सोची-समझी डिजाइन है. सैन्य भाषा में इसे 'कोअर्सिव डिग्रेडेशन' यानी मजबूर करके कमजोर करना कहा जाता है. लेकिन इंसानी नजरिए से देखें तो यह बहुत खतरनाक है. बिजली की लाइनें, पुल और हाईवे सिर्फ सरकारी संपत्ति नहीं होते, बल्कि आम नागरिकों के जीवन की धड़कन होते हैं. जब खार्ग द्वीप के टर्मिनल पर हमला होता है या शिराज के पेट्रोकेमिकल प्लांट तबाह होते हैं, तो सीधे तौर पर ईरान की आर्थिक लाइफलाइन कट जाती है.ताजा मीडिया रिपोटर्स के अनुसार, अमेरिकी सेना ने ईरान के सबसे अहम खार्ग द्वीप को अपना निशाना बनाया है। इस इलाके पर अमेरिका की तरफ से एक-दो नहीं, बल्कि ताबड़तोड़ 50 हवाई हमले किए गए हैं। इन हमलों से पूरे इलाके में भारी तबाही मच गई है और युद्ध के बादल और भी गहरे हो गए हैं। खार्ग द्वीप ईरान की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, और यहाँ किए गए हमलों ने साफ कर दिया है कि अमेरिका अब आर-पार के मूड में है।

> "ईरान में आज रात पूरी सभ्यता खत्म होगी, जो कभी नहीं लौटेगी: ट्रम्प

> "ऐसा जवाब देंगे, जिसे भूल नहीं पाओगे: ईरान

ईरान ने भी बेहद सख्त तेवर दिखाए

ईरान ने भी बेहद सख्त तेवर दिखाए हैं। ईरान ने साफ कर दिया है कि वह किसी भी दबाव में झुकने वाला नहीं है। ट्रंप की धमकी का जवाब देते हुए तुर्की में ईरानी दूतावास ने एक पोस्ट साझा की है। इसमें कहा गया कि सिकंदर ने इसे जलाया और मंगोलों ने इसे तबाह किया। इतिहास ने कई बार हमारी परीक्षा ली, लेकिन ईरान आज भी वहीं खड़ा है। दूतावास ने ट्रंप को सीधे तौर पर 'सनकी' कहते हुए लिखा कि जिस सभ्यता को वक्त नहीं मिटा सका, उसे एक शख्स की धमकियां खत्म नहीं कर पाएंगी।

ईरान के 8 पुलों को किया तबाह

इजरायल ने मंगलवार को ईरान पर बड़ा हमला करते हुए 8 पुलों को ध्वस्त कर दिया है। इन हमलों के बाद इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि इजरायली सेना ईरान के 'आतंकी शासन को कुचल रही है।' नेतन्याहू ने अपने संबोधन में कहा कि इजरायल डिफेंस फोर्सेज ईरान के रणनीतिक ठिकानों पर 'और ज्यादा ताकत और तेजी से' हमले कर रही है। अपने देश के पुलों और पावर प्लांट को बचाने के लिए ईरान के आम नागरिक अमेरिका के सामने सीना तानकर खड़े हो गए हैं।

ईरान ने मिसाइल और रॉकेटों से किया हमला

ईरान ने मंगलवार को इजरायल पर मिसाइल और रॉकेटों से ताबड़तोड़ हमले किए। आपातकालीन सेवाओं ने बताया कि मंगलवार को दिन भर में 20 से ज्यादा बार अलर्ट जारी किए गए। ये अलर्ट ईरान से आने वाली मिसाइलों या लेबनान से रॉकेट हमले की चेतावनी दे रहे थे।

ईरान के समर्थन में खुलकर आए रूस-चीन

पश्चिम एशिया में जारी जंग के बीच मंगलवार को अमेरिका को झटका लगा है। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में रूस और चीन ने उस प्रस्ताव को वीटो कर दिया, जिसका मकसद हॉर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना था। यह प्रस्ताव ऐसे समय में पारित नहीं हो सका, जब ईरान से समझौते के लिए अमेरिका की समय सीमा नजदीक आ रही है। सुरक्षा परिषद के 15 में से 11 देशों ने प्रस्ताव के पक्ष में वोट दिया। पाकिस्तान और कोलंबिया ने मतदान से दूरी बनाई।

ब्रीफ न्यूज़

ऑटो चालकों का आज आंदोलन

मुंबई। मुंबई के ऑटो रिक्शा-टैक्सी मेंस यूनियन ने आज राज्य सरकार के खिलाफ आंदोलन छेड़ने का एलान किया है। सरकार के नवगठित 'धर्मवीर आनंद दिघे महाराष्ट्र ऑटो रिक्शा व मीटर्ड टैक्सी चालक कल्याणकारी बोर्ड' की अनिवार्य सदस्यता और उससे जुड़े शुल्कों के खिलाफ यह आवाज मुखर की गई है। चेतावनी दी गई है कि जब तक सरकार अपनी इस दमनकारी नीति को वापस नहीं लेती, तब तक ऑटो चालकों का संघर्ष जारी रहेगा। यूनियन के अध्यक्ष शशांक राव के नेतृत्व में बुधवार 8 अप्रैल, 2026 को अंधेरी क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) के बाहर एक विशाल विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया गया है। राव के अनुसार ऑटो रिक्शा चालकों के लिए एक स्वतंत्र कल्याणकारी बोर्ड की मांग पिछले 20 वर्षों से की जा रही थी। लेकिन, इस बोर्ड की स्थापना करते समय सरकार ने राज्य की प्रमुख रिक्शा यूनियनों के प्रतिनिधियों के साथ कोई बातचीत नहीं की। बोर्ड में पंजीकरण के लिए 500 रुपए प्रवेश शुल्क और 300 रुपए वार्षिक शुल्क अनिवार्य किया गया है। ऑटो चालक पहले से ही आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। यह उन पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ है।

दुष्कर्म मामले में आरोपित के खिलाफ मिले सबूत

मुंबई। नासिक मामले की जांच कर रही आईपीएस अधिकारी तेजस्विनी सातपुते ने मंगलवार को बताया कि इस मामले में आरोपित के खिलाफ पक्के सबूत मिले हैं। पीड़ितों की प्राईवेसी को ध्यान में रखते हुए सोशल मीडिया पर से 4650 लिंक हटा दिए गए हैं। मामले की गहन छानबीन जारी है। तेजस्वी सातपुते ने आज नासिक में पत्रकारों को बताया कि उनके नेतृत्व में गठित विशेष जांच दल कुल 12 मामलों की जांच कर रही है। इनमें से 8 महिलाओं के साथ दुष्कर्म के और तीन मामले धोखाधड़ी और जालसाजी के हैं। एसआईटी ने इस मामले में कुल 30 गवाहों से पूछताछ की है। खरात पीडित महिलाओं और उनकी आस्था का फायदा उठा रहा था। वह दिव्य शक्तियों का दिखावा कर रहा था। वह अंधविश्वास फैला रहा था। वह पत्थर, हुक वगैरह का इस्तेमाल करके पैसे कमा रहा था। वह महिलाओं को उनके परिवार की मौत का डर दिखाकर और बदनाम करने की धमकी देकर उनका सेक्शुअल शोषण कर रहा था। सातपुते ने साफ किया कि जांच में यह भी पता चला है कि वह ईशान्येश्वर मंदिर के आसपास अंधेरे में दिव्य शक्तियों का दिखावा करके अंधविश्वास फैला रहा था।

1.80 लाख किसानों को 128 .65 करोड़ की सहायता, नए सर्वे के आदेश

किसानों पर मेहरबान सरकार

धीरज सिंह/दीपक पवार | मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि की मार झेल रहे किसानों के लिए बड़ी राहत की घोषणा की है. मंगलवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में अक्टूबर से दिसंबर 2025 के बीच हुए नुकसान के मुआवजे के तौर पर 128.65 करोड़ रुपये वितरित करने का निर्णय लिया गया. इसके साथ ही, सरकार ने साल 2026 के शुरुआती महीनों में हुई बेमौसम बारिश से हुए ताजा नुकसान का पंचनामा करने के निर्देश भी दिए हैं ताकि प्रभावितों को समय पर मदद मिल सके.

इन जिलों के 1.80 लाख किसानों को मिलेगी मदद

सरकार द्वारा जारी की गई सहायता राशि उन किसानों के लिए है जिन्होंने 2025 की अंतिम तिमाही में अपनी फसलें खोई थीं। कैबिनेट के फैसले के अनुसार, चंद्रपुर, धुले, गढ़चिरौली, जलगांव, नासिक, रायगढ़ और सिंधुदुर्ग जिलों के लगभग 1,80,574 किसानों को यह लाभ मिलेगा। इस दौरान कुल 1,14,752 हेक्टेयर कृषि भूमि प्रभावित हुई थी।

IT और AI के लिए नया स्वतंत्र विभाग

राज्य सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी (IT), इलेक्ट्रॉनिक्स और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के लिए एक नया स्वतंत्र विभाग गठित करने का निर्णय लिया है। इसके तहत अब 'सूचना प्रौद्योगिकी निदेशालय' को 'आयुक्त कार्यालय' में बदल दिया जाएगा। सभी जिलों के लिए एक स्थायी IT कैडर बनाया जाएगा, जिससे डिजिटल गवर्नेंस और एआई अनुसंधान को नई गति मिलेगी।

महाराष्ट्र रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन सेंटर अब बनेगी कंपनी

महाराष्ट्र रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन सेंटर (MRSAC) को अब कंपनी अधिनियम के तहत एक स्वतंत्र कंपनी बनाया जाएगा। इस बदलाव से ई-पंचनामा, जलयुक्त शिवर, शहरी नियोजन और खनिज अध्ययन जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं में तेजी आएगी। इससे उपग्रह तकनीक का उपयोग करके नुकसान का सटीक और त्वरित आकलन संभव होगा।

'महाजियोटेक' की स्थापना

प्रशासन में गतिशीलता लाने के लिए महाराष्ट्र भू-प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग केंद्र (महाजियोटेक) नामक कंपनी की स्थापना की जाएगी। यह केंद्र भू-स्थानिक नवाचार, अनुसंधान और उद्यमिता को बढ़ावा देगा। छात्रों और पेशेवरों के लिए इसके माध्यम से विशेष शैक्षिक कार्यक्रम भी शुरू किए जाएंगे।

महावितरण का पुनर्गठन

ऊर्जा विभाग में बड़े सुधार करते हुए महावितरण का वित्तीय पुनर्गठन किया जाएगा। सरकार 32,679 करोड़ के ऋण के लिए सरकारी बॉन्ड जारी करेगी। सबसे महत्वपूर्ण फैसला कृषि वितरण व्यवसाय को अलग करने का है। इसके साथ ही, महावितरण को भविष्य में पूंजी बाजार) में सूचीबद्ध करने की योजना को भी हरी झंडी मिल गई है।

महाराष्ट्र आपदा प्रबंधन कार्यक्रम

आपदा प्रबंधन के लिए विश्व बैंक से 165 करोड़ के फंड को मंजूरी दी गई है। इसके तहत कृष्णा घाटी (कोल्हापुर, सांगली, इचलकरंजी) में बाढ़ के खतरे को कम करने के लिए विशेष ड्रेनेज योजनाएं बनाई जाएंगी। साथ ही, आपदा प्रभावितों को गृह ऋण में रियायत और MSME सेक्टर को बीमा कवर देने का प्रावधान किया गया है।

सिंचाई बुनियादी ढांचे में तेजी

कैबिनेट बैठक के दौरान राज्य जल संसाधन विभाग ने अपनी प्रगति रिपोर्ट भी पेश की। रिपोर्ट में बताया गया कि जुलाई 2022 के बाद से बुनियादी ढांचे में व्यापक सुधार हुआ है। अब तक 41 परियोजनाएं पूरी की जा चुकी हैं, जिससे 105 टीएमसी भंडारण क्षमता बनी है और 2.95 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि सिंचाई के दायरे में आई है। जुलाई 2022 से अब तक 4.35 लाख करोड़ रुपये की लागत वाली 225 परियोजनाओं को प्रशासनिक और संशोधित मंजूरी दी गई है। सरकार का लक्ष्य है कि इन सभी परियोजनाओं के पूरा होने पर राज्य की कुल सिंचाई क्षमता 33 ।45 लाख हेक्टेयर तक पहुंच जाएगी।

11 आईएएस अधिकारी हुए इधर से उधर

श्वेता सिंघल बनीं दिल्ली महाराष्ट्र सदन की नई प्रमुख

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए मंगलवार को एक बड़ा फेरबदल करते हुए 11 आईएएस (IAS) अधिकारियों के तबादले के आदेश जारी किए हैं। इस बदलाव में वरिष्ठ आईएएस अधिकारी श्वेता सिंघल को नई दिल्ली स्थित महाराष्ट्र सदन के 'विशेष आवासीय आयुक्त' के पद पर तैनात किया गया है। गौर करने वाली बात यह है कि पिछले शुक्रवार को भी 25 अधिकारियों का तबादला किया गया था।

पुणे कृषि विभाग में बदलाव

राहुल रंजन महिवाल को 'महाराष्ट्र राज्य कृषि निगम, पुणे' के प्रबंध निदेशक (MD) पद से हटाकर अब 'महाराष्ट्र राज्य कृषि शिक्षा व अनुसंधान परिषद, पुणे' का सदस्य सचिव बनाया गया है। रुचेश जयवंशी को राहुल रंजन महिवाल की जगह 'महाराष्ट्र राज्य कृषि निगम, पुणे' के नए प्रबंध निदेशक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कन्हुराज बागटे को महाडिस्कॉम, कल्याण के 'संयुक्त प्रबंध निदेशक' पद पर नियुक्त किया गया है।

इस साल मानसून रहेगा सुस्त

अल नीनो के साये में 30% सूखे की आशंका

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि की मार झेल रहे किसानों के लिए एक और चिंताजनक खबर सामने आई है। निजी मौसम पूर्वानुमान एजेंसी स्काईमेट ने इस साल देश में औसत से कम बारिश होने का अनुमान जताया है। 'अल नीनो' के प्रभाव के कारण इस साल सूखे की स्थिति बनने की 30 प्रतिशत आशंका जताई गई है, जिसका सीधा असर महाराष्ट्र सहित पूरे देश की कृषि अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। स्काईमेट के वैज्ञानिकों के अनुसार, इस साल दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान लंबी अवधि के औसत की तुलना में केवल 94 प्रतिशत बारिश होने की संभावना है।

सौगात दहिसर-काशीगांव और डायमंड गार्डन-मंडाले रूट का सीएम फडणवीस ने किया उद्घाटन

मेट्रो नेटवर्क में मुंबई की ऊंची छलांग

विनय दुबे | मुंबई/भायंदर

मुंबई और मीरा-भायंदर के लिए आज का दिन ऐतिहासिक रहा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मेट्रो लाइन 9 और लाइन 2-बी के पहले चरण का उद्घाटन कर मुंबई महानगर क्षेत्र की परिवहन व्यवस्था में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। अब मुंबई मेट्रो नेटवर्क के मामले में दिल्ली के बाद देश का दूसरा सबसे बड़ा शहर बन गया है। मेट्रो लाइन 9 के पहले चरण (दहिसर पूर्व से काशीगांव) के शुरू होने से ठाणे जिले का मीरा-भायंदर शहर अब सीधे मुंबई मेट्रो मैप पर आ गया है। 5.6 किमी लंबे इस ऊंचे मार्ग पर चार प्रमुख स्टेशन-दहिसर पूर्व, पांडुरंगवाड़ी, मीरागांव और काशीगांव-शुरू किए गए हैं। इससे घंटों का सफर अब मिनटों में सिमट जाएगा। समारोह में परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक, पुलिस कमिश्नर निकेत कौशिक, एमबीएमसी आयुक्त राधाबिनोद शर्मा, महापौर रितु तावड़े, डिंपल मेहता, विधायक नरेंद्र मेहता, संजय उपाध्याय, प्रकाश सुर्वे और प्रवीण दरेकर सहित एमएमआरडीए के वरिष्ठ अधिकारी और भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हार्बर लाइन को मिला मेट्रो का साथ

मुख्यमंत्री ने पूर्वी उपनगरों में मेट्रो लाइन 2-बी (मंडले से चेंबूर) के पहले चरण का भी उद्घाटन किया। यह 5 .53 किमी लंबा खंड मानखुर्द में सेंट्रल रेलवे की हार्बर लाइन को मेट्रो से जोड़ता है। साथ ही, मानखुर्द के मंडले में देश का सबसे बड़ा एलिवेटेड मेट्रो डिपो बनाया गया है, जहाँ 72 ट्रेनों के रखरखाव की क्षमता है। यह नई मेट्रो लाइन पूरी तरह 'इको-फ्रेंडली' है। इसमें सोलर पैनल, एलईडी लाइटिंग, रेन वाटर हार्वेस्टिंग और रिजेनरेटिव ब्रेकिंग (ब्रेक लगाने पर बिजली पैदा करने वाली तकनीक) जैसी सुविधाएं दी गई हैं। साथ ही, 80% यात्रियों द्वारा कैशलेस 'नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड' का उपयोग करना इसकी सफलता को दर्शाता है।

लाइन 7 और 9 का एकीकरण

सबसे बड़ी सुविधा यह है कि लाइन 7 (गुंडावली-दहिसर) को अब लाइन 9 के साथ जोड़ दिया गया है। इसका मतलब है कि यात्री अब अंधेरी पूर्व से सीधे मीरा-भायंदर तक बिना ट्रेन बदले सफर कर सकेंगे। दहिसर स्टेशन पर इंटरचेंज की सुविधा दी गई है, जिससे यात्री लाइन 2-ए (अंधेरी पश्चिम) के लिए भी आसानी से ट्रेन बदल सकेंगे।

स्मार्ट मेट्रो 1 कार्ड : डिजिटल सफर का साथी

उद्घाटन के अवसर पर मुख्यमंत्री ने 'स्मार्ट मेट्रो 1' कैशलेस कार्ड लॉन्च किया। यह कार्ड यात्रियों को लंबी कतारों से बचाएगा। हमारा लक्ष्य परिवहन बनाना है, जिससे यात्रा 'स्मार्ट' और डिजिटल हो सके।

समय-सारिणी और फ्रीक्वेंसी

यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मेट्रो ट्रेनों की समय-सारिणी और फ्रीक्वेंसी को बेहद व्यवस्थित किया गया है, जिसके तहत परिचालन सुबह 5 :50 बजे पहली ट्रेन के साथ शुरू होकर रात 11 :00 बजे अंतिम ट्रेन तक निर्बाध रूप से जारी रहता है। व्यस्त घंटों (पीक आवर्स) के दौरान यात्रियों की भारी भीड़ को संभालने के लिए हर 5-6 मिनट के अंतराल पर ट्रेनें उपलब्ध कराई गई हैं, जबकि सामान्य समय में यह अंतराल 8-10 मिनट का रखा गया है, ताकि शहरवासियों को आवागमन में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

मुंबई में देश का पहला पॉड टैक्सी प्रोजेक्ट

मुंबई। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में शहरी ट्रांसपोर्ट को आधुनिक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। मंगलवार को मुंबई में पॉड टैक्सी प्रोजेक्ट का शिलान्यास मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने किया। दरअसल यह एक ऑटोमैटिक रैपिड ट्रांजिट सिस्टम है। इसे मुंबई में कुर्ला और बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (BKC) के बीच विकसित किया जा रहा है। ताकि रोजमर्रा के यात्रियों को अंतिम-छोर तक पहुंच मिल सके। चेम्बूर स्थित डायमंड गार्डन मेट्रो स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ दोनों उपमुख्यमंत्रियों एकनाथ शिंदे और सुनेत्रा पवार ने भी शिरकत की।

जीएसटी व्यापार कर अधिकारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

जीएसटी फाइल बंद करने के नाम पर मांग रहे थे रिश्वत

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

बेलापुर स्थित कोंकण भवन में भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) ने जीएसटी (GST) विभाग के एक अधिकारी और उनकी सहायक को रंगे हाथों रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है।

रिश्वत की मांग और मोलभाव

सहायक वैशाली कदम ने शिकायतकर्ता को बताया कि कागजों की जांच के बाद उन्हें 23,900 रुपये जमा करने होंगे। इसमें से 13,900 रुपये की आधिकारिक रसीद दी जाएगी। 10,000 रुपये यह फाइल बंद करने के लिए 'अतिरिक्त' देने होंगे। काफी मोलभाव के बाद, आरोपी 7,000 रुपये की रिश्वत लेने पर सहमत हो गए थे।

एसीबी का ट्रैप और गिरफ्तारी

शिकायतकर्ता ने 2 अप्रैल 2026 को नवी मुंबई एंटी करप्शन ब्यूरो को इसकी सूचना दी। ब्यूरो ने मामले का सत्यापन किया। 6 अप्रैल की शाम 6:35 बजे, जैसे ही शिकायतकर्ता ने अमित गिरी को उनके केबिन में 7,000 रुपये थमाए, एसीबी की टीम ने उन्हें दबोच लिया। सहायक वैशाली ने इससे पहले पंजीकरण के नाम पर 2,000 रुपये अलग से भी वसूल लिए थे। गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपियों के खिलाफ सीबीडी बेलापुर पुलिस स्टेशन में भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। ठाणे एसीबी की टीम अब इस बात की जांच कर रही है कि क्या इन अधिकारियों ने पहले भी इस तरह से अन्य व्यापारियों को निशाना बनाया है।

कौन हैं आरोपी और क्या है मामला?

गिरफ्तार किए गए मुख्य आरोपी अमित भानुदास गिरी हैं, जो कोंकण भवन, बेलापुर में 'व्यापार कर अधिकारी' (GST Officer) के पद पर तैनात हैं। उनके साथ उनकी निजी महिला सहायक वैशाली वसंत कदम को भी इस साजिश में शामिल होने के कारण हिरासत में लिया गया है।

कारण बताओ नोटिस से शुरू हुआ खेल

शिकायतकर्ता का सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट का व्यवसाय है। उन्हें 10 मार्च 2026 को अमित गिरी के कार्यालय से 'व्यवसाय कर नामांकन' और 'पंजीकरण' के संदर्भ में एक 'कारण बताओ नोटिस' जारी किया गया था। जब वे स्पष्टीकरण देने दफ्तर पहुंचे, तो खेल शुरू हुआ।

तस्वीरों में चमकता, हकीकत में कचरे से जूझता कोपरी

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे महानगरपालिका जहां स्वच्छता अभियान और स्वच्छता सर्वेक्षण 2026 के तहत शहर की साफ-सफाई के बड़े दावे कर रही है, वहीं ठाणे पूर्व के कोपरी इलाके की स्थिति इन दावों की पोल खोलती नजर आ रही है। सड़कों पर जमा कचरा, नालियों से उठती बदबू और जगह-जगह गंदगी से स्थानीय नागरिक परेशान हैं।

कागजों में 'साफ ठाणे', जमीन पर गंदगी का अंबार

स्वच्छता सर्वेक्षण के प्रचार में शहर को चमकता हुआ दिखाया जा रहा है, लेकिन कोपरी क्षेत्र के निवासी रोजाना कचरे और दुर्गंध के बीच जीवन जीने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि अधिकारी और जनप्रतिनिधि सिर्फ फोटो खिंचवाने तक सीमित रहते हैं और बाद में क्षेत्र की समस्याओं से दूरी बना लेते हैं। सबसे गंभीर समस्या कचरा प्रबंधन को लेकर सामने आई है। गीले और सूखे कचरे के लिए लगाए गए डस्टबिन कई जगहों से गायब हैं, जिससे नागरिकों के सामने कचरा फेंकने की समस्या खड़ी हो गई है। ऐसे में सड़कों पर कचरा जमा होना लाजिमी है, लेकिन इसका दोष नागरिकों पर डाला जा रहा है।

जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर उठे सवाल

कोपरी के नागरिक अब जनप्रतिनिधियों की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि 'साफ ठाणे' के वादे केवल कागजों तक सीमित रह गए हैं और बुनियादी समस्याओं को नजरअंदाज किया जा रहा है, जो कहीं न कहीं प्रशासनिक लापरवाही को दर्शाता है। पर्यावरणविद डॉ. प्रशांत सिनकर के अनुसार, सड़कों पर जमा कचरा मीथेन गैस उत्पन्न करता है, जो जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा देता है और बीमारियों का कारण बन सकता है। इसके बावजूद ठोस कदमों की कमी साफ दिखाई दे रही है, जिससे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

ऐरोली में युवक पर 4 राउंड गोलियां

हत्या के प्रयास का मामला दर्ज

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

ऐरोली इलाके में सोमवार देर रात एक सनसनीखेज फायरिंग की घटना से दहशत फैल गई। सेक्टर-1 स्थित छत्रपति शिवाजी निवासी चाल परिसर में बाइक सवार अज्ञात हमलावर ने अचानक गोलीबारी कर दी, जिसमें अमित मौर्य गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, 6 अप्रैल 2026 की रात करीब 11:50 बजे अमित मौर्य अपने साथी संदीप गवस के साथ खड़े थे, तभी एक अज्ञात युवक बाइक पर आया और ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। हमलावर ने करीब 4 राउंड गोलियां चलाईं, जिनमें से एक गोली अमित मौर्य की गर्दन में लगी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए।

CCTV में कैद हुआ आरोपी

घटना की सूचना मिलते ही रबाले पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम मौके पर पहुंची। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच में आरोपी बाइक से आते और फायरिंग करते हुए नजर आया है। हालांकि अभी तक घायल अमित मौर्य ने किसी पर संदेह व्यक्त नहीं किया है। पुलिस ने अज्ञात हमलावर के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है और उसकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं।

गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

घटना के तुरंत बाद घायल को पहले ऐरोली के इंद्रावती अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी नाजुक हालत को देखते हुए उन्हें मुलुंड स्थित फोर्टिस अस्पताल रेफर किया गया। फिलहाल उनका इलाज जारी है।

वर्ल्ड हेल्थ डे पर जागरूकता रैली

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे सिविल हॉस्पिटल में वर्ल्ड हेल्थ डे के अवसर पर डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज़ अथॉरिटी और डिस्ट्रिक्ट मीडिएशन सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान अस्पताल परिसर से जनजागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में डॉक्टरों, नर्सों और स्वास्थ्य कर्मचारियों ने भाग लिया। सिविल सर्जन डॉ. कैलाश पवार ने कहा कि बदलती जीवनशैली के कारण बढ़ती स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाना बेहद जरूरी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे नियमित स्वास्थ्य जांच और बचाव के उपायों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं।

समय पर जांच से टल सकते हैं बड़े खतरे

डॉ. पवार ने अपने संबोधन में कहा कि विज्ञान ने चिकित्सा क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन इसका लाभ तभी मिलेगा जब लोग समय पर जांच और सही उपचार करवाने के प्रति जागरूक होंगे। छोटे लक्षणों को नजरअंदाज न करने की सलाह देते हुए उन्होंने समय पर निदान को जीवन रक्षक बताया। रैली में शामिल प्रतिभागियों ने हाथों में जागरूकता बोर्ड लेकर स्वच्छता, संतुलित आहार और नियमित व्यायाम के महत्व का संदेश दिया। साथ ही आधुनिक चिकित्सा पद्धति और वैज्ञानिक सोच अपनाने पर विशेष बल दिया गया।

गणमान्य डॉक्टरों की उपस्थिति

कार्यक्रम में अतिरिक्त सिविल सर्जन डॉ. धीरज महानगड़े, वरिष्ठ सर्जन डॉ. निशिकांत रोकड़े, डॉ. अर्चना पवार, एडवोकेट संदीप येवले, विनोद राणे सहित कई विशेषज्ञ डॉक्टर और अस्पताल के कर्मचारी उपस्थित रहे, जिन्होंने इस अभियान को सफल बनाने में योगदान दिया।

जेजे स्कूल में दिव्यांग बच्चों की कला ने बिखेरे सपनों के रंग

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

सर जेजे स्कूल ऑफ आर्ट, आर्किटेक्चर एंड डिजाइन में आयोजित दिव्यांग कलाकारों की विशेष पेंटिंग वर्कशॉप इन दिनों आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। 6 से 8 अप्रैल 2026 तक चलने वाली इस वर्कशॉप में बच्चों ने अपनी रचनात्मकता के जरिए कैनवस पर सपनों के रंग उकेरे, जो हर दर्शक को प्रभावित कर रहे हैं।

42 कलाकारों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

इस पहल का आयोजन जेजे स्कूल ऑफ आर्ट, आईएएसओडब्ल्यूए और नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर एम्पावरमेंट ऑफ इंटेलेक्चुअली डिसेबल्ड के संयुक्त सहयोग से किया गया है। मुंबई और आसपास के विभिन्न संस्थानों से आए 42 दिव्यांग कलाकारों ने इसमें हिस्सा लिया, जबकि 18 से अधिक संस्थानों की भागीदारी इस आयोजन को और खास बनाती है।

विविधता में झलकी सृजनशीलता

वर्कशॉप की खासियत यह रही कि इसमें ऑटिज्म, डाउन सिंड्रोम, बौद्धिक विकलांगता, श्रवणदोष, अल्पदृष्टि और पैराप्लेजिया जैसी विभिन्न चुनौतियों से जूझ रहे कलाकारों ने अपनी कला के माध्यम से अलग पहचान बनाई। हर चित्र में उनकी सोच, आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प साफ झलकता नजर आया।वर्कशॉप का समापन 8 अप्रैल को पेंटिंग प्रदर्शनी के साथ होगा, जिसका उद्घाटन जेजे स्कूल के मुख्य ऑडिटोरियम में दोपहर 3 बजे किया जाएगा। यह प्रदर्शनी 8 से 10 अप्रैल तक सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक आम लोगों के लिए खुली रहेगी।

भाजपा नगरसेवक के बेटे पर मारपीट का केस दर्ज

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

शहर में भाजपा नगरसेवक के बेटे पर मारपीट का मामला दर्ज होने से हड़कंप मच गया है। पुलिस के अनुसार, उल्हासनगर-1 स्थित एच.डी. जिम, तानाजी नगर परिसर में आपसी विवाद के चलते यह घटना हुई। जानकारी के मुताबिक, भाजपा नगरसेवक के बेटे गुरुदीप अजितसिंह लभाना और अक्षय सिंह के बीच किसी बात को लेकर पहले से विवाद चल रहा था। इसी रंजिश के चलते दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए।

गालीगलौज से शुरू होकर मारपीट तक पहुंचा मामला

6 अप्रैल की देर रात करीब 4 बजे एसडी जिम के पास दोनों के बीच पहले गालीगलौज हुई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। आरोप है कि गुरुदीप और उसके साथियों ने अक्षय सिंह की पिटाई की। मारपीट में अक्षय सिंह को आंख और कान के पास चोटें आई हैं। आरोप है कि गुरुदीप ने हाथ में पहना कड़ा पीड़ित के सिर के पीछे मारकर उसे घायल कर दिया।

पुलिस ने दर्ज किया मामला

पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने गुरुदीप अजितसिंह लभाना और उसके साथियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। इस पूरे मामले की जांच पुलिस उपनिरीक्षक दीपज जाधव द्वारा की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

तृतीय पंथी समाज का शरद पवार गुट में सामूहिक प्रवेश

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

रामनगर डोंगरपाड़ा क्षेत्र में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान तृतीय पंथी (किन्नर) समाज के बड़ी संख्या में लोगों ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर आयोजित सत्कार समारोह में स्थानीय नागरिकों और समाज के प्रतिनिधियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पार्टी की महिला शहर अध्यक्ष स्वाती कांबले ने कहा कि भारतीय संविधान सभी नागरिकों को समानता और स्वतंत्रता का अधिकार देता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि तृतीय पंथी समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए पार्टी हर स्तर पर उनके साथ खड़ी रहेगी। स्वाती कांबले ने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ तृतीय पंथी समाज तक पहुंचाने के लिए नियमित बैठकें आयोजित की जाएंगी। साथ ही समाज के लोगों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए मार्गदर्शन भी दिया जाएगा, ताकि कोई भी व्यक्ति वंचित न रहे।

LGBTQ सेल के गठन की घोषणा

कार्यक्रम में यह भी जानकारी दी गई कि पार्टी हाईकमान के निर्देश पर LGBTQ समुदाय के लिए एक अलग सेल का गठन किया गया है। इस सेल के माध्यम से तृतीय पंथी समाज की समस्याओं के समाधान के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे और उसे पार्टी का पूर्ण समर्थन मिलेगा। इस अवसर पर महिला शहर अध्यक्ष स्वाती कांबले, उपाध्यक्ष सबीना नूर अली के साथ खुशी यादव, मोनालिसा केने, दुर्गा यादव, रोशनी गुप्ता सहित बड़ी संख्या में किन्नर समाज के सदस्य और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे, जिससे कार्यक्रम को व्यापक समर्थन मिला।

19 लावारिस वाहन जब्त

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

महानगरपालिका द्वारा शहर में सुव्यवस्थित यातायात और स्वच्छ सार्वजनिक स्थान सुनिश्चित करने के लिए चलाया जा रहा विशेष अभियान अब असर दिखाने लगा है। लोकमान्य सावरकर वार्ड समिति क्षेत्र में लावारिस और अवैध रूप से खड़े वाहनों के खिलाफ की गई कार्रवाई से नागरिकों को राहत मिली है।हाल ही में चलाए गए अभियान के दौरान प्रशासन ने कुल 19 लावारिस वाहनों को जब्त किया। इनमें चार पहिया, तीन पहिया और दो पहिया वाहन शामिल हैं। इस कार्रवाई से सड़कों पर जगह खाली हुई और यातायात सुगम बना। अभियान के तहत फुटपाथ पर किए गए अतिक्रमण को भी हटाया गया, जिससे पैदल चलने वालों के लिए रास्ते फिर से खुले और सुरक्षित हुए। इससे आम नागरिकों की आवाजाही में काफी सुविधा बढ़ी है।

प्रशासनिक बैठक से मिली दिशा

इस अभियान को गति शर्मिला पिंपलोलकर द्वारा आयोजित बैठक से मिली, जिसमें क्षेत्र की यातायात समस्याओं पर चर्चा करते हुए सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए गए थे। आयुक्त सौरभ राव के मार्गदर्शन में प्रशासनिक टीम ने समन्वय के साथ कार्रवाई को अंजाम दिया। महात्मा फुले नगर, कोरस रोड, वेदांता कॉम्प्लेक्स, यशोधन नगर और लोकमान्य बस डिपो जैसे भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष रूप से कार्रवाई की गई। इससे जाम की समस्या में कमी आई और यातायात व्यवस्था बेहतर हुई। प्रशासन के अनुसार, मार्च महीने में भी 32 लावारिस वाहनों पर कार्रवाई की गई थी। इससे स्पष्ट है कि यह अभियान लगातार और गंभीरता के साथ चलाया जा रहा है।

ठाणे-बोरीवली ट्विन टनल के लिए टीबीएम 'नायक' लांच

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

ठाणे और बोरीवली के बीच दूरी कम करने वाले ठाणे-बोरीवली अंडरग्राउंड रोड टनल प्रोजेक्ट को अब नई गति मिलने जा रही है। ट्विन टनल प्रोजेक्ट के लिए 'नायक' नामक टनल बोरिंग मशीन (TBM) की लॉन्चिंग मंगलवार को की गई। इस मौके पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार और परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक मौजूद रहे।

पर्यावरणीय मंजूरियों के बाद निर्माण

संजय गांधी नेशनल पार्क जैसे संवेदनशील क्षेत्र के नीचे टनल बनने के कारण इस प्रोजेक्ट को SBWL, NBWL, फॉरेस्ट और इको-सेंसिटिव ज़ोन जैसी कई महत्वपूर्ण मंजूरियां लेनी पड़ी हैं। अधिकारियों के अनुसार, निर्माण के दौरान जैव विविधता को नुकसान न पहुंचे, इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है और करीब 11,000 पेड़ भी लगाए जाएंगे।

आधुनिक सुरक्षा और सुविधा सिस्टम

प्रत्येक टनल में 2 ट्रैफिक लेन और 1 इमरजेंसी लेन होगी। हर 300 मीटर पर क्रॉस पैसेज, एडवांस्ड वेंटिलेशन, फायर प्रोटेक्शन सिस्टम, स्मोक डिटेक्टर, LED लाइटिंग और रेट्रो-रिफ्लेक्टिव साइनबोर्ड जैसी आधुनिक सुविधाएं दी जाएंगी। डंपर ट्रकों के लिए अलग लेन और 7 मीटर चौड़ी सर्विस रोड भी बनाई जाएगी। TBM 'नायक' की खासियतटनल निर्माण के लिए 'नायक' और 'अर्जुन' नाम की दो अत्याधुनिक TBM मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इनकी लंबाई लगभग 90 मीटर और वजन 2,500 टन है। 13.34 मीटर व्यास वाला कटरहेड मुंबई में उपयोग किए जाने वाले सबसे बड़े कटरहेड्स में शामिल है। मशीन में 18 वॉटर नोजल लगे हैं, जो कूलिंग और धूल नियंत्रण में मदद करते हैं।

15 मिनट में ठाणे से बोरीवली

फिलहाल ठाणे से बोरीवली तक घोडबंदर मार्ग से सफर में करीब डेढ़ घंटा लगता है। टनल बनने के बाद यह दूरी काफी कम हो जाएगी और वाहन महज 15 मिनट में यह सफर तय कर सकेंगे। नासिक, कल्याण और नवी मुंबई से आने वाला ट्रैफिक भी सीधे टनल से गुजर सकेगा, जिससे ठाणे शहर में ट्रैफिक का दबाव घटेगा।

देश का सबसे लंबा और चौड़ा टनल

यह प्रोजेक्ट कई मायनों में खास है। कुल 11.84 किमी लंबाई वाले इस प्रोजेक्ट में 10.25 किमी लंबी टनल बनाई जा रही है, जो देश की सबसे लंबी और 6-लेन की सबसे चौड़ी अंडरग्राउंड रोड टनल होगी। बोरीवली की ओर 5.75 किमी और ठाणे की ओर 6.09 किमी लंबाई का हिस्सा शामिल है।

2028 तक पूरा करने का लक्ष्य

संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान के नीचे बनाए जा रहे इस प्रोजेक्ट के एक टनल का काम पहले ही शुरू हो चुका है, जबकि अब दूसरे टनल के लिए TBM 'नायक' को लॉन्च किया गया है। परियोजना को वर्ष 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस अवसर पर कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी भी उपस्थित रहे।

कई स्कूल बिना अनुमति संचालित, 21 स्कूलों की सूची जारी

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका के प्राथमिक शिक्षा विभाग ने जनहित में प्रेस नोट जारी कर अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों का प्रवेश अनधिकृत स्कूलों में न कराएं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बिना सरकारी मान्यता के संचालित स्कूलों में पढ़ाई से बच्चों के भविष्य पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। महानगरपालिका के अनुसार, भिवंडी क्षेत्र में कई प्राथमिक विद्यालय शासन की अनुमति के बिना संचालित हो रहे हैं। ऐसे स्कूलों की पहचान कर उनकी सूची सार्वजनिक कर दी गई है, ताकि अभिभावक जागरूक रहकर सही निर्णय ले सकें।

विद्यार्थियों का होगा पुनर्वास

प्रशासन ने बताया कि अनधिकृत स्कूलों में पढ़ रहे विद्यार्थियों का समायोजन नजदीकी मान्यता प्राप्त स्कूलों में किया जाएगा। साथ ही संबंधित स्कूल संचालकों को नोटिस जारी कर उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। महानगरपालिका द्वारा जारी सूची में रॉयल इंग्लिश स्कूल (पटेल कंपाउंड), नोबेल इंग्लिश स्कूल (अवचितपाड़ा), अलरजा उर्दू स्कूल (गैबी नगर), मराठी प्राथमिक स्कूल (टेमघर), एकता पब्लिक स्कूल (नागांव), डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम इंग्लिश स्कूल (रावजी नगर), तहजीब इंग्लिश स्कूल (जैतनपुरा), कैसर बेगम इंग्लिश स्कूल (नागांव) समेत कुल 21 स्कूलों के नाम शामिल हैं।

अब ड्रोन से होगी महाराष्ट्र के समुद्र की सुरक्षा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र की विशाल समुद्री सीमा की सुरक्षा और अवैध रूप से मछली पकड़ने की गतिविधियों पर नकेल कसने के लिए राज्य सरकार ने अब आसमान से नज़र रखने का फैसला किया है। मत्स्य पालन मंत्री नितेश राणे ने तटीय सुरक्षा को हाई-टेक बनाने के लिए अत्याधुनिक ड्रोन्स और नई गश्ती नौकाओं की खरीद के आदेश दिए हैं। महाराष्ट्र की समुद्री सीमा बहुत बड़ी है और वर्तमान में काम कर रहे 9 ड्रोन पर्याप्त नहीं हैं। मंत्री नितेश राणे ने विभाग को तत्काल 10 नए आधुनिक ड्रोन खरीदने के निर्देश दिए हैं। ये ड्रोन न केवल अवैध मछली पकड़ने वालों को पकड़ेंगे, बल्कि समुद्री सीमा की सटीक और पारदर्शी रिपोर्ट भी तैयार करेंगे।

अवैध एलईडी मछलीमारी पर कड़ा प्रहार

एलईडी लाइटों का उपयोग कर मछली पकड़ना समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के लिए खतरनाक है। मंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी दी है कि वे फील्ड पर जाकर अचानक छापेमारी करें। जिन नौकाओं के पास अनुमति नहीं है, उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी और इसमें लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी भी तय होगी।

नई गश्ती नौकाओं का बेड़ा

केवल ड्रोन ही नहीं, बल्कि समुद्र के भीतर पीछा करने के लिए नई और आधुनिक गश्ती नौकाओं की खरीद की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। इससे तटीय पुलिस और मत्स्य पालन विभाग की टीम किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत रिस्पॉन्स दे सकेगी।

91 लैंडिंग पॉइंट्स पर सुरक्षा कवच

राज्य के तटीय क्षेत्रों में 91 ऐसे स्थान (Landing Points) हैं जिन्हें सुरक्षा के लिहाज से 'अतिसंवेदनशील' माना गया है। यहाँ सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 'महाराष्ट्र राज्य सुरक्षा निगम' के माध्यम से विशेष सुरक्षा गार्ड और पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की जाएगी, ताकि अवैध घुसपैठ और तस्करी पर रोक लग सके।न समुद्री संसाधनों की रक्षा और स्थानीय युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए 'प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना' के तहत 'सागर मित्रों' की नियुक्ति की प्रक्रिया तेज की जाएगी। साथ ही विभाग में खाली पड़े पदों को भरने के लिए नई भर्ती प्रक्रिया की भी समीक्षा की गई है, जिससे विभाग की कार्यक्षमता बढ़ेगी।

गोरेगांव एसआरए प्रोजेक्ट में घोटाला

● 13 आरोपियों पर एफआईआर के आदेश

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

गोरेगांव (पूर्व) स्थित बंगाली कंपाउंड के स्लम रिहैबिलिटेशन अथॉरिटी प्रोजेक्ट में बड़े पैमाने पर घोटाले का मामला सामने आया है। इस मामले में बांद्रा दंडाधिकारी अदालत ने 13 आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए हैं। यह शिकायत ठाणे निवासी और एयर इंडिया के सेवानिवृत्त कर्मचारी के. वी. जे. राव (65) ने दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, CTS नंबर 619 और 620 पर मूल रूप से करीब 300 झोपड़ियां थीं, लेकिन डेवलपर्स और कुछ सरकारी अधिकारियों की मिलीभगत से इन्हें 912 दिखाया गया। इस तरह बड़े स्तर पर फर्जीवाड़ा कर लाभ उठाने का आरोप लगाया गया है। तत्कालीन अधिकारियों पर आरोप है कि उन्होंने फर्जी परिशिष्ट-2 को मंजूरी देकर सैकड़ों बोगस झोपड़ियों को वैध ठहराया। बिना स्थल निरीक्षण के दस्तावेज पास करने का भी गंभीर आरोप सामने आया है।

अधिकारियों की भूमिका पर सवाल डेवलपर्स पर भी गंभीर आरोप

अपर जिलाधिकारी एस. डी. शिंदे और एच. बी. उढाण पर बिना जांच मंजूरी देने का आरोप है। वहीं उपजिलाधिकारी अजिंक्य पडवळ ने 2016 में अस्तित्व में न होने वाली 102 झोपड़ियों को रिपोर्ट में शामिल किया। सक्षम प्राधिकरण-5 के पवन चांडक पर भी घोटाले को दबाने का आरोप लगाया गया है। ज्योती बिल्डर्स, विकास हाउसिंग लिमिटेड, हरीश्री एंटरप्राइजेस और श्रीजी कंस्ट्रक्शन पर घोटाले में शामिल होने का आरोप है। ज्योती बिल्डर्स के अकबर लालानी, सलीम लालानी और इम्तियाज अहमद पर बोगस झोपड़ियों के आधार पर अतिरिक्त FSI/TDR लेकर 200 से अधिक फ्लैट काले बाजार में बेचने का आरोप है। विकास हाउसिंग लिमिटेड पर बिना अनुमति झोपड़ियां तोड़कर निर्माण शुरू करने का आरोप है। हरीश्री एंटरप्राइजेस ने फर्जी सहमति पत्रों के जरिए प्रोजेक्ट को मंजूरी दिलाई, जबकि श्रीजी कंस्ट्रक्शन ने अवैध निर्माण और विवादित स्वामित्व दावे किए। करीब पांच साल में पूरा होने वाला यह प्रोजेक्ट 30 वर्षों से लंबित है। इस दौरान चार बार डेवलपर्स बदले गए। 19 मंजिला इमारत बन चुकी है, लेकिन उसमें केवल 17 असली सदस्य हैं, जबकि बाकी बोगस बताए जा रहे हैं।

वानखेड़े पर जांच निष्पक्ष : एनसीबी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने मंगलवार को बॉम्बे हाईकोर्ट को बताया कि उसके पूर्व क्षेत्रीय निदेशक समीर वानखेड़े के खिलाफ चल रही जांच गैर-अनाम शिकायतों के आधार पर शुरू की गई है। एजेंसी ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई नियमों के तहत की जा रही है। एनसीबी ने अदालत में साफ तौर पर कहा कि जांच किसी भी तरह से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता नवाब मलिक के कहने पर शुरू नहीं की गई। एजेंसी ने मलिक के साथ किसी भी प्रकार के संपर्क या संवाद से भी इनकार किया।

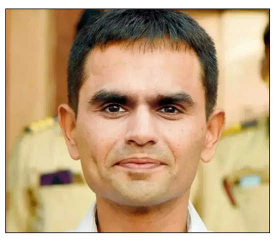

उप महानिदेशक (दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र) विशाल सनप द्वारा दायर हलफनामे में कहा गया कि 2008 बैच के आईआरएस अधिकारी समीर वानखेड़े के खिलाफ जांच दो ठोस और गैर-अनाम शिकायतों पर आधारित है। एनसीबी ने यह भी स्पष्ट किया कि शिकायतें न तो मलिक ने दर्ज कराई थीं और न ही उनके कहने पर जांच शुरू हुई।

जांच की स्थिति और वानखेड़े का पक्ष

एनसीबी ने कहा कि जांच अभी केवल सत्यापन चरण में है। एजेंसी ने दावा किया कि वानखेड़े 2024 से याचिकाएं दायर कर प्रक्रिया में देरी कर रहे हैं। उन्हें अपना पक्ष स्पष्ट करने का उचित अवसर देने के लिए पूछताछ के लिए बुलाया गया है। वानखेड़े के वकील चव्हाण ने एनसीबी के हलफनामे की जांच के लिए अदालत से समय मांगा, जिसके बाद सुनवाई दो सप्ताह बाद तय हुई।

वानखेड़े ने हाईकोर्ट में दी चुनौती

समीर वानखेड़े ने अपने खिलाफ जारी जांच को चुनौती देते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। इस मामले में अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत से जुड़े मादक पदार्थ मामलों का भी उल्लेख किया गया है। वानखेड़े ने अपने वकील राजीव चव्हाण के माध्यम से अदालत में प्रत्युत्तर हलफनामा दाखिल किया है, जिसमें उन्होंने जांच प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। वानखेड़े ने दावा किया कि वर्ष 2021 के चर्चित क्रूज ड्रग्स मामले में अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की गिरफ्तारी के बाद उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। वानखेड़े ने यह भी आरोप लगाया कि नवाब मलिक उनके खिलाफ व्यक्तिगत द्वेष रखते थे। उनका कहना है कि यह विवाद उस समय शुरू हुआ जब उन्होंने मलिक के दामाद समीर खान को ड्रग्स मामले में गिरफ्तार किया था।

वानखेड़े के खिलाफ अन्य जांचें

एनसीबी ने पहले उच्च न्यायालय को बताया था कि वानखेड़े के खिलाफ गंभीर अनियमितताओं के आरोप थे, जिसके कारण प्रारंभिक जांच शुरू हुई। नवंबर 2023 से मार्च 2024 के बीच, एनसीबी ने उन्हें आठ नोटिस जारी किए। वानखेड़े ने अपनी याचिका में दावा किया कि उन्हें निशाना बनाया जा रहा है और यह जांच 'बदले की कार्रवाई' है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी उन पर जबरन वसूली/रिश्वत और धन शोधन के मामले दर्ज किए हैं।

ग्रामीण महाराष्ट्र के लिए संजीवनी

मुख्यमंत्री ने शुरू किया 'मेरा गांव, स्वस्थ गांव' अभियान

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

विश्व स्वास्थ्य दिवस के विशेष अवसर पर महाराष्ट्र सरकार ने ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था को नई दिशा देने के लिए एक क्रांतिकारी कदम उठाया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 'मेरा गांव, स्वस्थ गांव' (माझं गाव, आरोग्यसंपन्न गांव) अभियान का राज्यव्यापी शुभारंभ किया है, जिसका मुख्य उद्देश्य हर गांव को बीमारियों से मुक्त और आत्मनिर्भर बनाना है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस अभियान को केवल कागजों या दफ्तरों तक सीमित न रखकर एक जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया है। इसका लक्ष्य ग्रामीण जनता को उनके घर के पास ही उच्च स्तरीय डॉक्टरी सलाह और इलाज मुहैया कराना है, ताकि उन्हें शहरों की ओर न भागना पड़े।

इस अभियान की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह

बीमार होने के बाद इलाज करने के बजाय, बीमार न पड़ने पर जोर देता है। इसके तहत गाँवों में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति, बेहतर पोषण और स्वच्छता, अपशिष्ट जल (गंदा पानी) का सही प्रबंधन जैसे बुनियादी चीजों पर काम किया जाएगा ताकि बीमारियाँ जड़ से खत्म हों।

बदलती जीवनशैली और मानसिक स्वास्थ्य

आजकल केवल बुखार या संक्रमण ही नहीं, बल्कि तनाव और बदलती जीवनशैली भी बड़ी समस्या है। यह अभियान मातृ-बाल स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य और शुगर-बीपी जैसी बीमारियों के प्रति भी लोगों को जागरूक करेगा।

समितियों का जाल और पुरस्कारों की बौछार

अभियान को जमीनी स्तर पर लागू करने के लिए ग्राम पंचायत से लेकर राज्य स्तर तक विशेष समितियां बनाई गई हैं। जो गाँव, जिला परिषद या पंचायत समिति स्वास्थ्य के मानकों पर सबसे खरी उतरेगी, उन्हें 'स्वस्थ गांव' के रूप में सम्मानित किया जाएगा। सरकार ने इसके लिए 65 .25 करोड़ रुपए के भारी-भरकम बजट का प्रावधान किया है। कार्यक्रम के दौरान एक मार्गदर्शिका पुस्तिका और जानकारी देने वाले वीडियो भी जारी किए गए हैं।

सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली: सपकाल

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बारामती विधानसभा उपचुनाव को लेकर महाराष्ट्र की राजनीति गरमा गई है। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उनका यह बयान 'सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली' जैसा है। सपकाल ने मुख्यमंत्री के उस बयान पर निशाना साधा, जिसमें उन्होंने कहा था कि बारामती उपचुनाव जनभावना को ध्यान में रखते हुए निर्विरोध होना चाहिए। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने इसे जनभावना के विपरीत बताया। हर्षवर्धन सपकाल ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री खुद ही जनभावना की अनदेखी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस मुद्दे पर जनता जवाब चाहती है, उस पर सरकार चुप्पी साधे हुए है। सपकाल ने कहा कि बारामती में अजित पवार के साथ हुआ विमान हादसा वास्तव में दुर्घटना था या कोई साजिश, यह स्पष्ट होना चाहिए। उन्होंने इस मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की।

एफआईआर दर्ज न होने पर सरकार घिरी

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि इस गंभीर मामले में अब तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई, जो सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का कर्तव्य था कि तुरंत कार्रवाई करते। सपकाल ने दोहराया कि इस मामले में अपराध दर्ज कर निष्पक्ष जांच कराना ही वास्तविक जनभावना है। उन्होंने कहा कि जनता सच जानना चाहती है और सरकार को पारदर्शिता दिखानी चाहिए।

मध्य रेल

व्हील असेंबली सेक्शन में सामग्री संचालन

मुख्य कारखाना प्रबंधक का कार्यालय, माटुंगा, मुंबई - 400019. **निविदा सूचना क्र. - आरआर / पीआर / डब्ल्यूसी / 2143/2025-26/113, दिनांक: 04.04.2026. कार्य का विवरण**: व्हील शॉप के व्हील असेंबली सेक्शन में सामग्री संचालन। मात्रा: दर अनुसूची के अनुसार। **निविदा समापन / खोलने और समय की तिथि**: 27.04.2026, 9:00 बजे तक। निविदा विवरण और निविदा दस्तावेज **www.gem.gov.in** वेबसाइट पर उपलब्ध है। निविदाएं वेबसाइट के माध्यम से केवल ई-टेंडरिंग प्रारूप में ही स्वीकार की जाएंगी। **AK-23**

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

मध्य रेल

सिग्नलिंग इनडोर और आउटडोर कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (एस एंड टी), प्रथम तल, पार्सल कार्यालय भारत के राष्ट्रपति और केंद्रीय रेलवे, मुंबई सीएसटी ४०० ००१ की ओर से प्रतिष्ठित ठेकेदारों से खुली निविदाओं के लिए आमंत्रित किया गया है । **अ. क्र.: 1. निविदा सूचना नं.: सीआर/बीबी/सं. एवं दु.सं/. दक्षिण/2026 /31, दिनांक: 02.04.2026. कार्य का नाम**: मुंबई मंडल में, विक्रोली में अप और डाउन थ्रू लाइन के बीच क्रॉसओव उपलब्ध कराने और बायकुला में मौजूदा पी एस आर 60 किमी प्रति घंटे की पाबंदी को कम करने के लिए क्रॉसओवर 108 को स्थानांतरित करने से संबंधित सिग्नलिंग का कार्य। **लगभग मूल्य**: रु.1.61 करोड़। **खुलने की तारीख़**: 01.05.2026. **ईएमडी**: रु. 3,22,600/-. **वैधता**: 60 दिन। **समापन अवधी**: 12 महीने। **अ. क्र.: 2. निविदा सूचना नं.: सीआर/बीबी/सं.एवं दु.सं/. दक्षिण/2026/32, दिनांक: 02.04.2026. कार्य का नाम**: मुंबई डिवीज़न के विद्या विहार स्टेशन पर पी एस आर 65 किमी घंटे की छूट के लिए, डायमंड को हटाने और क्रॉस ओवर लैडर लगाने से जुड़े सिग्नलिंग का काम; यह लैडर डाउन थ्रू लाइन को डाउन लोकल लाइन से, और डाउन लोकल लाइन तथा अप लोकल लाइन लोकल लाइन को अप थ्रू से जोड़ता है। **लगभग मूल्य**: रु.84.93 लाख। **खुलने की तारीख़**: 01.05.2026. **ईएमडी**: रु. 1,69,900/-. **वैधता**: 60 दिन। **समापन अवधी**: 12 महीने। **अ. क्र.: 3. निविदा सूचना नं.: सीआर/बीबी/सं. एवं दु.सं/. दक्षिण/2026/33, दिनांक: 02.04.2026. कार्य का नाम**: मुंबई डिवीज़न के विद्या विहार-ठाणे और सी एस एम टी - कुर्ला सेक्शन में, प्लेटफ़ॉर्म के बिना छत वाले हिस्से पर नए सीओपी लगाने और खराब हो चुके वैली गटर और डाउन टेक पाइप को बदलने से जुड़ा सिग्नलिंग का काम। **लगभग मूल्य**: रु.71.90 लाख। **खुलने की तारीख़**: 01.05.2026. **ईएमडी**: रु. 1,43,800/-. **वैधता**: 60 दिन। **समापन अवधी**: 12 महीने।यह निविदा 15/06/2017 दिनांकित सार्वजनिक खरीदनीति (भारत में बनाओ) आदेश 2017 का अनुपालन करती है। निविदाओं का पूरा ब्योरा मध्य रेलवे में उपलब्ध है। आधिकारिक वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पूरी निविदा दस्तावेजों को वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है। निविदाओं का पूरा विवरण मंडल रेल प्रबंधक (एसएंडटी) के कार्यालय, मुंबई सीएसएमटी के "नोटिस बोर्ड" में भी उपलब्ध है। **AK-21**

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

मुंबई झोपड़पट्टी सुधार मंडल

(महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी की एक क्षेत्रीय इकाई)

म्हाडा MHADA

दूरभाष क्रमांक: 022-66405484, ई-मेल: eecityslum@gmail.com

संदर्भ क्रमांक: EE/City/MSIB/e-tender/03/2026-27

ई-टेंडर नोटिस क्रमांक 03

कार्यकारी अभियंता (सिटी) विभाग, मुंबई स्लम इम्प्रूवमेंट बोर्ड (MHADA का यूनिट), कक्ष क्रमांक 539, चौथा मंजिल, गृह निर्माण भवन, बांद्रा (पूर्व), मुंबई 400 051, दूरभाष क्रमांक (022) 66405484 द्वारा संबंधित उपयुक्त श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारों अथवा किसी भी शासकीय / अर्ध-शासकीय संगठन से बी-1 (प्रतिशत दर) पद्धति में 01 कार्य के लिए ऑनलाइन ई-टेंडरिंग प्रणाली के माध्यम से खुली / नियमित ई-टेंडर आमंत्रित की जाती हैं। विस्तृत टेंडर नोटिस तथा टेंडर दस्तावेज महाराष्ट्र शासन के पोर्टल https://mahatenders.gov.in पर उपलब्ध होंगे तथा वहां से डाउनलोड किए जा सकते हैं। बोली दस्तावेज वेबसाइट पर अपलोड किए जा सकते हैं। टेंडर दस्तावेज बिक्री प्रारंभ दिनांक: 01.04.2026, 01:00 बजे, टेंडर दस्तावेज बिक्री समाप्ति दिनांक: 08.04.2026, 05:35 बजे, प्री-बिड मीटिंग दिनांक: 15.04.2026, 03:00 बजे, यदि कोई शुद्धिपत्र / संशोधन (Corrigendum / Amendments) होंगे तो वे केवल https://mahatenders.gov.in वेबसाइट पर ही प्रकाशित किए जाएंगे। सक्षम प्राधिकारी को बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी टेंडर को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित है। सशर्त (Conditional) ऑफर स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

Follow us: @mhadaofficial

CPRO/A/265

हस्ता/-
कार्यकारी अभियंता (सिटी)
मुंबई स्लम सुधार बोर्ड, मुंबई

म्हाडा-राष्ट्र का अग्रणी गृहनिर्माण प्राधिकरण

कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका, कल्याण

विशेष प्रकल्प विभाग

निविदा सूचना क्र. 2/२०२६-२७

आयुक्त, कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका, कल्याण यांचेमार्फत पी.डब्ल्यू.डी. सी.पी.डब्ल्यू.डी./एम.जे. पी./एम.सी.जी.एम/ सिडको/रेल्वे यांचेकडिल उचित दर्जाच्या नोंदणीकृत पात्र ठेकेदारांकडून खालील कामांसाठी अनुभवी ठेकेदारांकडुन अथवा भारतीय कंपनी कायदा-२०१३ अंतर्गत नोंदणीकृत संस्थांकडून सी नमुन्यातील सीलबंद निविदा ई-टेंडरींग कार्यप्रणालीद्वारे मागविण्यांत येत आहे.

अ. क्र.	कामाचे नाव	निविदा रक्कम रु.	निविदा फॉर्म फी रु.	निविदा अनामत रक्कम रु.	कामाचा कालावधी
१	कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका क्षेत्रातील कल्याण पूर्व वालधुनी येथे नाल्यावर पादचारी पुलाचे (एफओबी) बांकाम करणे (कंत्राटदाराच्या स्वतःच्या डिझाइन आणि रेखाचित्रांसह)	१,४९,४७,०००/-	११८०/-	१,५०,०००/-	९ महीने

या कामाची सविस्तर निविदा सुचना व कोरे निविदा फॉर्म www.mahatenders.gov.in या संकेतस्थळावर दिनांक ०८/०४/२०२६ ते १५/०४/२०२६ रोजी दुपारी ३.०० वाजेपर्यंत उपलब्ध असून निविदा ई टेंडरींग कार्यप्रणालीद्वारे दि. १५/०४/२०२६ रोजी दुपारी ३.०० वाजेपर्यंत भरता येतील व शक्य झाल्यास निविदा दिनांक १६/०४/२०२६ रोजी दुपारी ४.०० वाजता उघडण्यात येतील.

निविदा पूर्व बैठक दि. १०/०४/२०२६ रोजी दुपारी ३.०० वाजता शहर अभियंता, प्रशासकीय इमारत, कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका, शंकरराव चौक, कल्याण (प.) यांचे दालनात होईल.

कोणतेही कारण न देता कोणतीही किंवा सर्व निविदा नाकारण्याचा अधिकार आयुक्त क.डो. म.पा यांनी राखुन ठेवला आहे व त्यांचा निर्णय कायदेशीररीत्या सर्व निविदा कारांसाठी बंधनकारक राहील.

सही/-
(अनिता परदेशी)
शहर अभियंता
कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका
कल्याण

कडोंमपा / जसंवि/मुका /१३
दिनाक:- ०७/०४ /२०२६

सार्वजनिक सूचना

इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि **श्री वी. रामचंद्र (मृत्यु तिथि 25/03/2015)** (मृतक), जो मुंबई स्थित **एस्बेल बिल्डिंग, एस्बेल सीएचएसएल, प्लॉट संख्या 17, अकुरली रोड, लोखंडवाला टाउनशिप, कांदिवली (पूर्व), मुंबई 400101 में स्थित फ्लैट संख्या ए/402 (श्रीमती रेमा रामचंद्रन और श्री वी. रामचंद्रन** द्वारा चौथी मंजिल पर स्थित संपत्ति के स्वामी थे, उनकी मृत्यु के बाद, श्रीमती रेमा रामचंद्रन, जो उनकी पत्नी और सह-स्वामी थीं, ने उक्त संपत्तियों में उनके हिस्से पर स्वामित्व और सदस्यता का दावा किया है और वे सोसायटी की सदस्यता के लिए आवेदन करेंगी।

उक्त संपत्तियों और इस दस्तावेज़ में किसी भी प्रकार का अधिकार, आपत्ति और/या दावा रखने वाले व्यक्तियों को छोड़कर, सभी व्यक्तियों को एतद्द्वारा नीचे दिए गए पते पर दिनांक से 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर लिखित रूप में सूचित करना आवश्यक है, अन्यथा इसके बाद उनके किसी भी अधिकार, आपत्ति और/या दावे पर विचार नहीं किया जाएगा और वे परित्याग या त्याग दिए जाएंगे। सोसायटी उक्त संपत्तियों के संबंध में मृतक सदस्य के शेयरों और हितों को सोसायटी के उपनियमों के अनुसार हस्तांतरित करने के लिए स्वतंत्र होगी।

एस्बेल सीएचएसएल के लिए
हस्ताक्षर/- माननीय सचिव
एस्बेल बिल्डिंग, प्लॉट नंबर 17, लोखंडवाला टाउनशिप,
अकुरली रोड, कांदिवली (पूर्व), मुंबई 400101

सार्वजनिक सूचना

एतद्वारा सामान्य जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री आमिर चौगुले और श्रीमती नसरिन आमिर चौगुले, श्रीमती मित्रा दास एवं अन्य से उक्त फ्लैट खरीदने की इच्छा रखते हैं। इसके अतिरिक्त, उनका इरादा है कि वे उक्त फ्लैट को पिरामल फाइनेंस लिमिटेड के साथ गिरवी रखवाएँगे।

संपत्ति विवरण - फ़्लैट नंबर 11, दूसरी मंज़िल, इमारत क्र 5, अरविंद नगर ट्विन बिल्डिंग्स सीएचएस लिमिटेड, सिटीएस क्र ५९८३ (भाग), ५९९३,५९९४ आणि ५९९८ (भाग), कोळे कल्याण, कलिना, सांताक्रूझ पूर्व, ता. अंधेरी, मुंबई

देव कुमार दत्ता और उमा रानी दत्ता ने उक्त फ्लैट हिंद महाराष्ट्र कंस्ट्रक्शन कंपनी से दि ११/०५/१९७३ के बिक्री समझौते के माध्यम से खरीदा था। देव कुमार दत्ता का निधन दिनांक २२/०९/२००७ को और उमा रानी दत्ता का निधन दि २७/०७/२०२० को हुआ। उनके पीछे निम्नलिखित वारिस हैं 1) प्रणब कुमार दत्ता (स्वर्गीय पुत्र, ०४/०७/२०१६ को निधन) और 2) श्री कुमार दत्ता (स्वर्गीय पुत्र, ०१/०८/२०२१ को निधन), 3) मित्रा दास, 4) चित्रा दत्ता, 5) संजुक्ता दत्ता, 6) रति प्रणब दत्ता, 7) प्रोनोति दत्ता, 8) सरोश प्रणब दत्ता और 9) प्रद्युत दत्ता 1

इसलिए मैं इस प्रकार आम जनता से निम्नलिखित संबंध में दावे या आपत्तियाँ आमंत्रित करता हूँ कि किसी भी व्यक्ति के पास उपरोक्त फ्लैट में कानूनी उत्तराधिकारिता है या उक्त फ्लैट पर बिक्री, बंधक, चार्ज, उपहार, कब्जा, किरायेदारी, उत्तराधिकार, ऋण अधिकार या लाभकारी अधिकार/हित या किसी भी अन्य प्रकार का दावा है, उन्हें अनुरोध किया जाता है कि वे इसे लिखित में नीचे हस्ताक्षरकर्ता को सूचित करें, पता: शॉप नं F-01A-30, 1st फ्लोर, हवारे सेन्टुरियन मॉल, सेक्टर-19ऐ, नेरुल (ई), नवी मुंबई - 400706, इस प्रकाशन की तिथि से 14 (चौदह) दिनों के भीतर। ऐसा न करने की स्थिति में, ऐसे व्यक्ति/व्यक्तियों के किसी भी दावे को सभी उद्देश्यों के लिए त्यागा गया और / या परित्यक्त माना जाएगा।

हरेश बी डेमला
(वकील उच्च न्यायालय, मुंबई)

दिनांक :०८/०४/२०२६

मध्य रेल

ई-नीलामी की सूचना

मुंबई मंडल, मध्य रेलवे ने ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल के माध्यम से **www.ireps.gov.in** पर नीचे दी गई संपत्तियों कि लीजिंग के लिए ई-नीलामी का आह्वान किया है। **इच्छुक बोली दाताओंको ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल में पंजीकृत होना आवश्यक है और ई-नीलामी से पहले सभी आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने होंगे**। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक बोलीदाताओं से अनुरोध है कि नीचे उल्लिखित ई-नीलामी के विवरण जानने के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें:

क्र. सं.	श्रेणी	उप-श्रेणी	नीलामी तिथि
1.	विज्ञापन	ट्रेनों के अंदर और बाहर मोबाइल एसेट्स	17.04.2026, 23.04.2026
		आरडीएन (RDN)	06.04.2026, 15.04.2026
		ओओएच (OOH)	04.04.2026, 16.04.2026
2.	पे एंड पार्किंग	मिश्रित पार्किंग	06.04.2026, 10.04.2026, 13.04.2026, 15.04.2026, 16.04.2026
3.	पे एंड यूज़	कलवा स्टेशन पर पी&यू शौचालय	13.04.2026
		प्रतीक्षालय सह कैंटीन (NGSM, TPND गुड्स, कलंबोली गुड्स, कल्याण)	06.04.2026, 17.04.2026
4.	कैटरिंग	कैटरिंग स्टॉल	07.04.2026, 08.04.2026
		रेल कोच रेस्टोरेंट	20.04.2026
		बहुउद्देश्यीय स्टॉल	07.04.2026, 08.04.2026, 16.04.2026
5.	अन्य NFR	KYN से KJT-खोपोली एवं KYN से कसारा सेक्शन में उपभोग्य एवं गैर- उपभोग्य वस्तुओं की बिक्री	17.04.2026
		मसाज चेयर	17.04.2026
		PNVL और KYN पर डिजिटल लॉकर	23.04.2026
		आपातकालीन चिकित्सा कक्ष	09.04.2026
		फूड ट्रे	08.04.2026
		प्रीमियम ब्रांड स्टोर	16.04.2026
		मोबाइल एक्सेसरीज़ कियोस्क	22.04.2026
		किराना स्टोर	06.04.2026, 15.04.2026, 21.04.2026

इसके अलावा विषय नीलामी के संबंध में, परिशिष्ट / शुद्धिपत्र, लॉट/कैटलॉग की वापसी, नीलामी की तिथि या समय में परिवर्तन, विस्तार, स्पष्टीकरण आदि, यदि कोई हो, केवल वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। बोलीदाताओं को स्वयं को अद्यतन रखने के लिए नियमित रूप से वेबसाइट पर जाना चाहिए।

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे AK-22

संपादकीय

ट्रंप के बिगड़े बोल

अमेरिका के इतिहास में शायद ही कोई डोनाल्ड ट्रंप जैसा अधीर, अपरिपक्व बयानवीर और व्यापारी सोच का राष्ट्रपति हुआ हो। संयम व गरिमा शब्द उनके शब्दकोश में ही नहीं हैं। सोशल मीडिया पोस्ट में अमेरिका-इस्राइल युद्ध के चरम के बीच उन्होंने जिन अपशब्दों का प्रयोग ईरान के लिये किया, वो उनकी हताशा को ही दर्शाता है। उनके बयानों की पूरी दुनिया के साथ अमेरिका के भीतर भी कड़ी आलोचना हुई है। आज अमेरिका के नागरिक भी सोचते होंगे कि दुनिया के सबसे शक्तिशाली लोकतंत्र में राष्ट्रपति को इतने निरंकुश अधिकार देना क्या प्रजातंत्र के हित में है? निश्चित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर, अपशब्दों और धार्मिक संदर्भों के साथ तेहरान को दी गई चेतावनी, ट्रंप के आवेगपूर्ण उकसावे के अतिरिक्त और कुछ भी नहीं है। एक महाशक्ति के मुखिया द्वारा ऐसी सतही भाषा का प्रयोग न केवल अशोभनीय है बल्कि घातक परिणामों की ओर ले जाने वाला भी है। जाहिरा तौर उनकी धमकियां ईरान को बातचीत की मेज पर लाने के बजाय, उसे और आक्रामक तरीके से जवाबी कार्रवाई करने को उकसाएंगी। दरअसल,अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यह जताने की असफल कोशिश कर रहे हैं कि मौजूदा युद्ध मध्ययुगीन धर्मयुद्ध का विस्तार है। जिसमें सदियों तक ईसाई और मुसलमान आपस में वर्चस्व के लिये युद्ध करते रहे हैं। उन्होंने राजनीति में धार्मिक भावनाओं का भरपूर इस्तेमाल करते हुए ईरान में मार गिराए गए अमेरिकी फाइटर जहाज के पायलट के बचाव को 'ईस्टर का चमत्कार' बताने से भी गुरेज नहीं किया। जाहिरा तौर पर पुनरुत्थान और आशा का प्रतीक माने जाने वाले ईसाई धर्मावलंबियों के एक पवित्र दिन का हवाला देना, सैन्य अभियान को नैतिक और दैवीय रंग देने का ही एक असफल प्रयास है। निश्चित तौर पर इस तरह की सतही बयानबाजी एक जटिल भू-राजनीतिक संघर्ष को धार्मिकता की एक सरल कहानी में बदलने का जोखिम पैदा करती है। जो ट्रंप की सैन्य अभियान की तार्किकता सिद्ध करने की विफलता को भी दर्शाती है।यही वजह है कि अमेरिकी सांसदों ने यह पता लगाने के लिये जांच की मांग की है कि क्या धार्मिक मान्यताओं का प्रयोग सैन्य कार्रवाई को सही ठहराने के लिये किया जा सकता है? निश्चित रूप से उन सांसदों की चेतावनी एक मूलभूत लोकतांत्रिक सिद्धांत पर आधारित है, वो है चर्च और राज्य का पृथक्करण का सिद्धांत। उनका तर्क है कि सैन्य निर्णय कानून,रणनीति और जवाबदेही द्वारा निर्देशित होने चाहिए, न कि ईश्वर या बाईबल की भविष्यवाणियों का हवाला देकर। निश्चित रूप से ट्रंप की इन आक्रामक ब्यानबाजियों और कारगुजारियों की कीमत आने वाले वर्षों में अमेरिकियों को चुकानी पड़ सकती है। वहीं दूसरी ओर ट्रंप की गैरजिम्मेदार धमकियां पश्चिमी एशिया में अमेरिकी रक्षा कर्मियों के जीवन को भी खतरे में डाल सकती हैं। वहीं दूसरी ओर गुप्त राजनयिक प्रयासों को भी पटरी से उतार सकती हैं। दुनिया की महाशक्ति के सबसे शक्तिशाली नेता होने के नाते,उन्हें यह जरूर समझना चाहिए कि उनके बेतुके शब्दों से अमेरिकी विदेशी नीति को अपूरणीय क्षति पहुंच सकती है। जाहिरा तौर पर सशक्त नेतृत्व के लिये जिम्मेदारी के साथ विश्वसनीयता और स्पष्टता भी बेहद जरूरी है। ऐसे में धर्म को हथियार बनाने का उनका यह प्रयास घोर हताशा को ही दर्शाता है। जो इस बात की भी पुष्टि करता है कि अमेरिकी जनता ने एक व्यक्ति की क्षमताओं से कहीं अधिक दायित्व उन्हें सौंपा है। जिसकी वजह यह भी है कि ट्रंप ईरान की क्षमताओं का आकलन करने में चूके हैं। वे जमीनी हकीकत से इतर लगातार अमेरिका की जीत के दावे कर रहे हैं। जब कि वास्तविकता यह है कि सब कुछ खत्म करने के दावों के बावजूद ईरान अमेरिका व इस्राइल को पूरी टक्कर दे रहा है।

रणनीति में युद्ध समाप्ति कला की अहमियत

धीरज सिंह
समाचार संपादक

धरातल पर यह सरल दिखता है। सिद्धांत के आवरण में भटकाव। पश्चिम एशिया में, उद्देश्य बदलते रहते हैं जबकि युद्ध जारी है। कोई दिन निर्णायक जीत मिलने का अहसास करवाता है। अगले रोज लगता है लड़ाई अब लंबी खिंचेगी। बातचीत, विराम और तनाव इस कदर गडमड हो जाते हैं कि शब्दों का अर्थ ही समाप्त हो जाए। यूरोप में, संघर्ष वर्षों तक खिंच गया। उद्देश्यों पर भू-राजनीति की कई परतें चढ़ती गईं व स्पष्टता गायब हो गई। लड़ाई इसलिए जारी नहीं है कि अंतिम लक्ष्य परिभाषित है, बल्कि इसलिए कि कोई इसे परिभाषित नहीं कर रहा।

रणनीति का अर्थ अंतहीन युद्ध कभी नहीं रहा बल्कि उद्देश्य, क्रियान्वयन और समाप्ति के निर्णय किये जाते थे। लेकिन आज संघर्ष शुरू होते हैं तो लगता है रणनीतिकार युद्ध समाप्ति की कला भूल गये। पश्चिम एशिया में युद्ध के चलते अस्थिरता का माहौल है। रणनीति के इस भटकाव की कीमत कौन चुकाएगा। आजकल युद्ध खत्म नहीं होते। खिंचते जाते हैं, अपना स्वरूप बदल रहे हैं और खुद को जायज ठहराते हैं। यह रणनीति नहीं है। यह रणनीतिक रूपरेखा की असफलता है। मैंने युद्धों को खत्म होते देखा,और उन्हें खत्म होने से इनकार करते भी। सेना में, हमें युद्ध शुरू करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। हम आरंभिक व्यूह रचना, ज़ोरदार हमले, शत्रु का घेरा तोड़ने व इच्छाशक्ति कुचलने का अध्ययन करते हैं। युद्ध का विस्तार करना समझते हैं। लेकिन एक अन्य शांत अनुशासन है जो कभी रणनीति को परिभाषित करता था, लेकिन अब धीरे-धीरे धुंधला रहा है। वह है, रुकने की कला। जिन संघर्षों का अंत बढ़िया हुआ, उनकी संरचना सीधी-सादी थी। दुश्मन को पूरी तरह मिटाना नहीं, बल्कि उद्देश्य में स्पष्टता रखना। तब, किसी में इतनी हिम्मत होती थी कि वह फैसला कर सके कि मिशन पूरा हो गया है। इसलिए नहीं कि दुश्मन का खात्मा हो गया, बल्कि इसलिए कि काम पूरा हो गया था। बल का इस्तेमाल हुआ। तयशुदा सीमा तक पहुंचे। फिर आया सबसे मुश्किल आदेश : रुको। घर वापसी करो। आज, वह माद्दा गायब है। कोई फैसला नहीं करता। संघर्ष खिंचते रहते हैं। बिना किसी तय अंत वाला युद्ध कोई अभियान नहीं होता। यह तो जान-माल की हानि के साथ भटकाव है। भारत का 'गोल्ड स्टैंडर्ड' (सर्वोच्च मानक) : हमें किसी मानक की तलाश करने की ज़रूरत नहीं है। साल 1971 में, भारत ने आधुनिक इतिहास के सबसे निर्णायक अभियानों में से एक को अंजाम दिया। यह सिर्फ़ जीत नहीं थी। यह उसके बाद बरते गए संयम का उदाहरण था। हम वहां रुके नहीं रहे। हमने अपनी जीत को कब्जे में नहीं बदला। हमें भान था कि 'पूरा हुआ काम' कैसे दिखता है। 1988 में मालदीव में, हमने दखल दिया, व्यवस्था बहाल की और वापसी कर ली। पीछे कुछ बाकी नहीं छोड़ी। कोई अन्य एजेंडा नहीं। प्रभाव अधिकतम, दखल न्यूनतम। यहां तक कि श्रीलंका में भी, जहां पर हालात बहुत पेचीदा थे, हमने तब पीछे हटने का अनुशासन दिखाया, जब हमें लगा कि अब वहां से कुछ खास हासिल नहीं होने वाला। भारत का संयम सिर्फ़ इसमें नहीं था कि उसने क्या किया, बल्कि इस बात में भी था कि उसने किन चीज़ों पर हमला न करना चुना। बुनियादी ढांचे को कभी भी निशाना नहीं बनाया। इसी आधारभूत ढांचे पर किसी भी समाज का जीवन टिका होता है। इसे तबाह करने का मतलब है, उन्हीं लोगों को सज़ा देना जिनके नाम पर अक्सर युद्धों को सही ठहराया जाता है। इसी अनुशासन ने हमारी वैधता को बनाए रखा। 'ऑपरेशन सिंदूर' पर गौर कीजिए। सटीक। तय परिधि में। उद्देश्यपूर्ण। लक्ष्य हासिल। काम पूरा। और फिर रुक जाना। हरेक मामले में, परिणामों ने साधनों को परिभाषित किया। लेकिन अब साधन खुद मकसद बनने का जोखिम उठा रहे हैं। सिद्धांत के रूप में भटकाव : हम इसे 'हाइब्रिड वॉर', ग्रे ज़ोन या सोच-समझकर पैदा की गई अस्पष्टता कहते हैं। धरातल पर यह सरल दिखता है। सिद्धांत के आवरण में भटकाव। पश्चिम एशिया में, उद्देश्य बदलते रहते हैं जबकि युद्ध जारी है। कोई दिन निर्णायक जीत मिलने का अहसास करवाता है। अगले रोज़ लगता है लड़ाई अब लंबी खिंचेगी। बातचीत, विराम और तनाव इस कदर गडमड हो जाते हैं कि शब्दों का अर्थ ही समाप्त हो जाए। यूरोप में, संघर्ष वर्षों तक खिंच गया। उद्देश्यों पर भू-राजनीति की कई परतें चढ़ती गईं व स्पष्टता गायब हो गई। लड़ाई इसलिए जारी नहीं है कि अंतिम लक्ष्य परिभाषित है, बल्कि इसलिए कि कोई इसे परिभाषित नहीं कर रहा। संघर्ष खुद-ब-खुद खिंचता जा रहा है। आमजन पर असर की हकीकत : रणनीति यह भूल जाती है कि इस भटकाव की कीमत कौन चुकाएगा। रणनीतिकार मैदान ए जंग की बातें करता है। नागरिक इसकी अवधि की कीमत चुकाता है। चाय की दुकान पर बैठा व्यक्ति सिद्धांत नहीं पढ़ा होता। वह तो बाधित हुई आपूर्ति शृंखलाओं से बढ़ती कीमतों का दंश झेलता है, जो कभी स्थिर नहीं होतीं क्योंकि युद्ध अंतहीन हो चले हैं। वे अपने परिवारों को युद्धक्षेत्रों में फंसा हुआ पाता है जहां से निकलने की कोई राह नहीं। वह उस अनिश्चितता के साथ जीता है जो राष्ट्र की सोच में रम जाती है। जब युद्ध का कोई निश्चित समय होता है, तो समाज संगठित होता है और उबरता है। जब नहीं तो होता, तो अर्थव्यवस्था और भावनाएं उसी के अनुरूप आकार लेने लगती हैं। यदि सफलता को परिभाषित न किया जाए, तो वह कभी प्राप्त ही नहीं होती। असफलता तब स्वाभाविक प्रक्रिया बन जाती है।

हमारी गीता

अज्ञानरूपी अंधत्व और विवेक का प्रकाश

स्वामिनी निष्कलानंदा
चिन्मय मिशन कल्याण

श्रीमद्भगवद्गीता मात्र एक धर्मग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन के गूढ़ सत्य को समझने का एक मनोवैज्ञानिक दर्पण है। वेदव्यास ने तत्वज्ञान जैसे कठिन विषय को समझाने के लिए काव्य और साहित्य की अद्भुत प्रतिभा का उपयोग करते हुए एक जीवंत नाट्याविष्कार रचा है। इस कथा प्रवाह में हम अक्सर यह भूल जाते हैं कि कुरुक्षेत्र में जो कुछ घटित हो रहा था, उसका सीधा प्रसारण संजय के माध्यम से धृतराष्ट्र तक पहुंच रहा था। कुरुक्षेत्र का वह विनाशकारी युद्ध रोकना पूरी तरह से धृतराष्ट्र के हाथों में था। संजय का प्रयत्न यही था कि किसी प्रकार उनका हृदय परिवर्तन हो जाए और वे युद्ध रोक दें। जब अर्जुन विषाद में डूबकर अपना धनुष-बाण त्याग देता है, तब संजय ने यह प्रसंग बड़े मार्मिक ढंग से सुनाया। उसे आशा थी कि अर्जुन के आंसू सुनकर धृतराष्ट्र के मन में शांति का विचार जागेगा, परंतु वे केवल आंखों से ही नहीं, बल्कि मोह और ममता के कारण बुद्धि से भी अंधे हो चुके थे। इसे एक उदाहरण से समझें—यदि किसी ने बरसाती पहनी हो, तो वह मूसलाधार वर्षा में भी भीतर से नहीं भीगता। उसी प्रकार संजय और गुरुजनों के उपदेश भी उस व्यक्ति को नहीं बदल सकते, जिसने अंधे ममत्व की बरसाती ओढ़ रखी हो। प्रतीकात्मक रूप से अज्ञान (धृतराष्ट्र) का विवाह बुद्धि (गांधारी) से हुआ, जिसने स्वयं आंखों पर पट्टी बांध ली थी। जब अज्ञान और अविवेक का मिलन होता है, तब अहंकार (दुर्योधन) जन्म लेता है।

दुर्योधन ज्ञान की कमी नहीं, बल्कि आचरण की विफलता का प्रतीक है। उसने वही शिक्षा पाई जो अर्जुन ने पाई। वह स्वयं स्वीकार करता है 'जानामि धर्मं न च मे प्रवृत्तिः, जानाम्यधर्मं न च मे निवृत्तिः।' इसके विपरीत अर्जुन का स्वभाव सरल और जिज्ञासु है। उसके भीतर धर्म-अधर्म का द्वंद्व ही उसके विवेक का प्रमाण है। उसकी बुद्धि पर स्वार्थ की पट्टी नहीं थी, इसलिए श्रीकृष्ण के ज्ञान से उसका मोह दूर हो गया। गीता का संदेश स्पष्ट है—सत्य को जानने के लिए केवल बुद्धि नहीं, बल्कि उसे जीवन में उतारना आवश्यक है।

शख्सियत | मणिकुंतला सेन

संघर्ष, साहस और संकल्प की प्रतिमूर्ति

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और उसके बाद के सामाजिक आंदोलनों का इतिहास उन महिलाओं के उल्लेख के बिना अधूरा है, जिन्होंने अपनी सुख-सुविधाओं का त्याग कर समाज के सबसे वंचित वर्ग की आवाज बनने का साहस किया।

इन्ही में से एक दैदीप्यमान नाम है—मणिकुंतला सेन। 8 अप्रैल 1911 को अविभाजित बंगाल के बारीसाल (अब बांग्लादेश में) में जन्मी मणिकुंतला सेन का जीवन त्याग, जुझारूपन और अटूट वैचारिक प्रतिबद्धता की एक ऐसी गाथा है, जो आज की पीढ़ी के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत है। मणिकुंतला सेन का जन्म एक ऐसे समय में हुआ था जब भारतीय समाज पितृसत्तात्मक बेड़ियों और औपनिवेशिक गुलामी के दोहरे दबाव में था। इसके बावजूद, उन्होंने शिक्षा के महत्व को समझा और ढाका विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। उनके भीतर राष्ट्रभक्ति की लौ बचपन से ही प्रज्वलित थी। क्रांतिकारी विचारों से प्रभावित होकर वे कम्युनिस्ट पार्टी की सक्रिय सदस्य बनीं और अपना पूरा जीवन शोषितों, किसानों और विशेष रूप से महिलाओं के अधिकारों के लिए समर्पित कर दिया। उनका सबसे महत्वपूर्ण योगदान 'तेभागा आंदोलन' के दौरान देखने को मिलता है। 1946 के उस दौर में, जब बंगाल भीषण अकाल और सांप्रदायिक तनाव की आग में झुलस रहा था, मणिकुंतला सेन ने ग्रामीण महिलाओं को संगठित किया। उन्होंने बटाईदार किसानों के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी और जमींदारों के अत्याचारों के खिलाफ डटकर खड़ी रहीं। उन्होंने सिखाया कि अन्याय के विरुद्ध सामूहिक आवाज में कितनी शक्ति होती है। वे केवल एक नेत्री नहीं थीं, बल्कि उन हजारों महिलाओं की सहेली और मार्गदर्शक थीं, जिन्होंने पहली बार अपने घर की दहलीज लांघकर अपने हक के लिए नारा बुलंद किया था। विभाजन की विभीषिका ने जब बंगाल को दो हिस्सों में बांटा, तब मणिकुंतला सेन ने मानवता की सेवा का एक और मिसाल कायम की। शरणार्थी शिविरों में भटकती महिलाओं और बच्चों के पुनर्वास के लिए उन्होंने दिन-रात एक कर दिया। दंगा प्रभावित क्षेत्रों में जाकर शांति स्थापित करना और बिछड़े हुए परिवारों को मिलाना उनके जीवन के सबसे कठिन लेकिन संतोषजनक कार्यों में से एक था। उन्होंने राजनीति को सत्ता प्राप्ति का साधन नहीं, बल्कि समाज सेवा का माध्यम बनाया। मणिकुंतला सेन पश्चिम बंगाल विधानसभा की सदस्य भी रहीं, जहां उन्होंने विधायी प्रक्रिया के माध्यम से शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधारों की वकालत की। उनकी आत्मकथा 'सेदिर कथा' (उन दिनों की बातें) केवल एक व्यक्तिगत संस्मरण नहीं है, बल्कि उस कालखंड का एक जीवंत दस्तावेज है, जो हमें बताता है कि किस प्रकार विपरीत परिस्थितियों में भी सिद्धांतों पर अडिग रहा जा सकता है। आज के दौर में, जब व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं अक्सर सामाजिक उत्तरदायित्वों पर हावी हो जाती हैं, मणिकुंतला सेन का व्यक्तित्व हमें याद दिलाता है कि वास्तविक महानता दूसरों के आंसुओं को पोंछने में है। उनका जीवन हमें सिखाता है कि निस्वार्थ सेवा और दृढ़ निश्चय से दुनिया में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है।

मणिकुंतला सेन का अवसान भले ही हो गया हो, लेकिन उनके विचार और उनके द्वारा किए गए संघर्ष आज भी हर उस व्यक्ति के दिल में जीवित हैं, जो एक न्यायपूर्ण और समतामूलक समाज का सपना देखता है। वे

जीवन ऊर्जा | कोफी अन्नान : जन्म : 8 अप्रैल 1938 | जन्म

संयुक्त राष्ट्र के 7वें महासचिव कोफी अन्नान का जन्म 8 अप्रैल 1938 को घाना में हुआ था। उन्होंने वैश्विक संघर्षों को सुलझाने और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए 'रिस्पॉन्सिबिलिटी टू प्रोटेक्ट' जैसा महत्वपूर्ण सिद्धांत दिया। उनके मानवीय प्रयासों और विश्व शांति के लिए किए गए कार्यों हेतु उन्हें 2001 में 'नोबेल शांति पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। 18 अगस्त 2018 को उनका निधन हुआ।

ज्ञान ही शक्ति है और सूचना ही मुक्ति है

शांति कभी भी पूर्ण नहीं होती है, इसे हर दिन जीतना पड़ता है। शिक्षा स्वतंत्रता की सुनहरी खिड़की है। ज्ञान ही शक्ति है और सूचना ही मुक्ति है। जब तक महिलाएं सशक्त नहीं होंगी, विकास की कल्पना करना असंभव है। हम एक ही नाव में सवार हैं, या तो हम साथ तैरेंगे या साथ डूबेंगे। मानवाधिकारों का सम्मान ही शांति की पहली शर्त है। गरीबी मिटाना दान का कार्य नहीं, बल्कि न्याय का कार्य है। सुरक्षित दुनिया के बिना विकास संभव नहीं है। एड्स के खिलाफ लड़ाई केवल स्वास्थ्य का मुद्दा नहीं, बल्कि विकास का मुद्दा है। कोई भी राष्ट्र तब तक सुरक्षित नहीं है जब तक उसके पड़ोसी असुरक्षित हैं। हिंसा कभी भी समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हो सकती। लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव नहीं, बल्कि नागरिक अधिकारों की रक्षा है। भविष्य हमारा है, बशर्ते हम उसे आज ही संवारना शुरू करें। सच्ची कूटनीति वही है जो युद्ध को टालने का साहस रखती हो।

भ्रष्टाचार विकास के मार्ग में सबसे बड़ा अवरोध है। पर्यावरण की रक्षा करना आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारा सबसे बड़ा ऋण है। युवा केवल भविष्य नहीं हैं, वे वर्तमान की शक्ति भी हैं। जहाँ कानून का शासन नहीं होता, वहां केवल अराजकता का जन्म होता है। विविधता हमारी कमजोरी नहीं, बल्कि हमारी सबसे बड़ी ताकत है। भूख और गरीबी इंसान की गरिमा के सबसे बड़े दुश्मन हैं। शांति का अर्थ केवल युद्ध की अनुपस्थिति नहीं, बल्कि न्याय की उपस्थिति है। हम सभी एक ही वैश्विक परिवार के सदस्य हैं। संवाद ही वह पुल है जो नफरत की खाइयों को भर सकता है। स्वतंत्रता का अर्थ जिम्मेदारी से भागना नहीं, बल्कि उसे निभाना है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

कैसे पहचानें कि दैवीय शक्ति आपकी मदद कर रही हैं

मानव जीवन केवल भौतिक घटनाओं का क्रम नहीं है, बल्कि इसके भीतर एक सूक्ष्म और अदृश्य ऊर्जा भी कार्य करती है, जिसे हम दैवीय शक्ति के रूप में अनुभव करते हैं। कई बार व्यक्ति यह सोचता है कि उसकी प्रार्थना, पूजा या सत्कर्मों का कोई प्रभाव हो रहा है या नहीं। क्या सचमुच कोई अदृश्य शक्ति उसकी राह को सरल बना रही है? शास्त्रों और अनुभूतियों के आधार पर कुछ संकेत ऐसे बताए गए हैं, जिनसे यह समझा जा सकता है कि दैवीय सहायता आपके जीवन में सक्रिय है। सबसे पहला और प्रमुख संकेत है आपका अच्छा चरित्र और आचरण। यह केवल बाहरी व्यवहार तक सीमित नहीं होता, बल्कि आपके भीतर की भावना और सोच का भी प्रतिबिंब होता है। यदि आप स्वाभाविक रूप से दूसरों के दुख को महसूस करते हैं, किसी का बुरा नहीं सोचते, ईर्ष्या और द्वेष से दूर रहते हैं, तो यह केवल आपका प्रयास नहीं, बल्कि दैवीय प्रेरणा का परिणाम भी हो सकता है। शास्त्रों में स्पष्ट कहा गया है कि दैवीय शक्तियां उसी के साथ खड़ी होती हैं, जो धर्म, सत्य और करुणा के मार्ग पर चलता है। यदि आप बिना किसी स्वार्थ के सेवा करते हैं, सत्य बोलते हैं और अपने कर्तव्यों का पालन करते हैं, तो समझिए कि आपके भीतर एक दिव्य शक्ति कार्य कर रही है। यह शक्ति आपको गलत रास्ते से रोकती है और सही दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

दूसरा महत्वपूर्ण संकेत है ब्रह्म मुहूर्त में स्वतः जागना। आयुर्वेद और योगशास्त्र में ब्रह्म मुहूर्त, अर्थात प्रातः 3 से 5 बजे के बीच का समय, अत्यंत पवित्र और ऊर्जा से भरपूर माना गया है। यदि आपकी आंखें बिना किसी अलार्म के इस समय खुल जाती हैं और आपको भीतर से शांति या जागरूकता का अनुभव होता है, तो यह एक विशेष संकेत हो सकता है। यह वह समय है जब वातावरण में सत्व गुण की प्रधानता होती है और मन अत्यंत निर्मल अवस्था में होता है। विद्वानों का मानना है कि इस समय जागने वाले लोग आध्यात्मिक रूप से अधिक संवेदनशील होते हैं। ऐसा भी कहा जाता है कि इस काल में बहुत कम लोग स्वतः जागते हैं, इसलिए यदि आप उनमें से एक हैं, तो यह आपके भीतर सक्रिय दैवीय चेतना की ओर संकेत करता है। यह मानो एक आह्वान है—कि आप अपने जीवन के उद्देश्य को पहचानें और उसे सार्थक बनाएं। तीसरा संकेत है सपनों के माध्यम से मिलने वाले अनुभव। स्वप्न केवल मन की कल्पनाएं नहीं होते, बल्कि कई बार

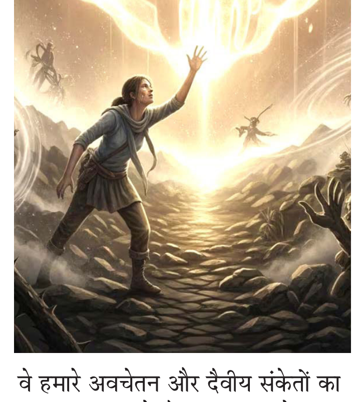

वे हमारे अवचेतन और दैवीय संकेतों का माध्यम भी बनते हैं। यदि आपको बार-बार मंदिर, तीर्थ या देवस्थानों के सपने आते हैं, या आप स्वयं को किसी ऊंचे आकाश में उड़ते हुए देखते हैं, तो यह आत्मिक उन्नति का संकेत हो सकता है। कई लोगों को सपनों में देवी-देवताओं के दर्शन या उनसे संवाद का अनुभव भी होता है। यह अनुभव भले ही बाहरी दुनिया में सिद्ध न हो, लेकिन व्यक्ति के भीतर एक गहरी शांति, विश्वास और ऊर्जा उत्पन्न करता है।

अपने विचार

कुरान में लिखा है कि नमाज के वक्त भी अगर जहरीला सांप दिख जाए तो उसे मार देना चाहिए। फिर उन्होंने साफ-साफ कहा कि बीजेपी और आरएसएस वही जहरीला सांप हैं। अगर इन्हें नहीं मारा गया तो खुद की जान बचाना मुश्किल हो जाएगा ।

-मल्लिकार्जुन खडगे
अध्यक्ष, कांग्रेस

खरगे जी कह रहे हैं कि बीजेपी और आरएसएस सांप हैं, और इन्हें मारना चाहिए. खरगे जी, आप स्टेज पर आइए और खुद देख लीजिए... यहां हजारों की तादाद में लोग खड़े हैं। लोग जमीन पर पूरे समर्पण से प्रचार कर रहे हैं। 9 अप्रैल को हमें राहुल बाबा को जवाब देना है।

-अमित शाह
गृह मंत्री

रिनकी सरमा के पास यूएई, मिस्र और एंटीगुआ और बारबुडा के वैध पासपोर्ट हैं।दुबई में उनकी कुछ प्रॉपर्टीज़ हैं और अमेरिका के व्योमिंग में उनकी एक कंपनी रजिस्टर्ड है, जिसका बजट 34 I67 बिलियन USD है। होटल इंडस्ट्री में उतरने की भी उसकी योजना है।

-पवन खेड़ा
प्रवक्ता, कांग्रेस

वह और उनकी पत्नी दोनों ही 48 घंटों के अंदर पवन खेड़ा के खिलाफ आपराधिक और दीवानी मानहानि के मुकदमे दायर करेंगे। इसके साथ उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि खेड़ा को उनके बयानों के लिए जवाबदेह ठहराया जाएगा।

-हेमंत बिस्वा सरमा
मुख्यमंत्री, असम

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई-400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिदार).

ब्रीफ न्यूज़

अस्पताल की बदहाली पर स्वास्थ्य मंत्री से मिला मनसे का प्रतिनिधिमंडल

उल्हासनगर। उल्हासनगर-3 स्थित मध्यवर्ती अस्पताल में व्याप्त अव्यवस्थाओं को लेकर मनसे शहर अध्यक्ष बंडू देशमुख के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्य के स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश अबितकर से मुलाकात की और रिक्त पदों को भरने व बुनियादी सुविधाएं सुधारने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने स्वास्थ्य मंत्री को अवगत कराया कि जिला अस्पताल का दर्जा होने के बावजूद यहाँ डॉक्टरों के 16 में से 9 पद खाली हैं और सीटी-स्कैन जैसी मशीनें अक्सर बंद रहती हैं, जिससे कर्जत और कसारा जैसे ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले गरीब मरीजों को भारी असुविधा होती है। इस पर संज्ञान लेते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के आदेश दिए हैं, वहीं मनसे ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही 400 बिस्तरों के प्रस्ताव को मंजूरी और दवाओं की कमी जैसी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो वे मरीजों के अधिकारों के लिए उग्र आंदोलन करेंगे।

छह जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरे विस्तारित

मुंबई। पश्चिम रेलवे ने यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के उद्देश्य से यूपी और बिहार जाने वाली 6 जोड़ी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेनों की अवधि को जुलाई 2026 तक विस्तारित करने का निर्णय लिया है। इसके तहत मुंबई सेंट्रल से कटिहार (09189/90) और बनारस (09183/84) के बीच चलने वाली ट्रेनों को जुलाई के अंत तक बढ़ाया गया है, जबकि उधना से अयोध्या कैंट (09093/94 और 09097/98) के लिए चलने वाली दो जोड़ी विशेष ट्रेनों को अब अगस्त की शुरुआत तक संचालित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, अहमदाबाद–दरभंगा (09465/66) और गांधीधाम–भागलपुर (09451/52) साप्ताहिक स्पेशल ट्रेनों को भी 29 जून 2026 तक विस्तार दिया गया है, जिससे गर्मियों की छुट्टियों में घर जाने वाले प्रवासियों और तीर्थयात्रियों को सुगम परिवहन की सुविधा मिल सकेगी।

मध्य रेल का 'सुपर हिट' साल

▸▸ 164 करोड़ यात्रियों ने किया सफर, शून्य दुर्घटना का रिकॉर्ड
▸▸ 8.33 लाख ट्रेनों का सफल संचालन

डीबीडी संवाददाता । नई दिल्ली

वित्तीय वर्ष 2025-26 में मध्य रेल ने यात्री परिवहन के क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। इस अवधि में कुल 164.30 करोड़ यात्रियों ने मध्य रेल की सेवाओं का उपयोग किया, जो पिछले वर्ष के 161.33 करोड़ की तुलना में 1.84 प्रतिशत अधिक है। मध्य रेल ने पूरे वित्तीय वर्ष में लगभग 8.33 लाख ट्रेन सेवाएं संचालित कीं। इसमें 6.28 लाख उपनगरीय (मुंबई-पुणे) और 2.05 लाख मेल/एक्सप्रेस एवं यात्री ट्रेन सेवाएं शामिल हैं। खास बात यह रही कि इस दौरान शून्य परिणामी दुर्घटनाएं दर्ज की गईं।

उपनगरीय और लंबी दूरी की सेवाओं में वृद्धि

उपनगरीय ट्रेनों में 143 .58 करोड़ यात्रियों ने सफर किया, जो पिछले वर्ष से 1.12 प्रतिशत अधिक है। वहीं गैर-उपनगरीय ट्रेनों में 20 .71 करोड़ यात्रियों ने यात्रा की, जो 7 .08 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। मध्य रेल ने इस वर्ष 7 नई ट्रेनें शुरू कीं, जिनमें पुणे-अजनी वंदे भारत एक्सप्रेस प्रमुख है। इसके अलावा एलटीटी-सहरसा और पनवेल-अलीपुरद्वार के बीच अमृत भारत एक्सप्रेस भी शुरू की गईं। कई अन्य एक्सप्रेस ट्रेनों की शुरुआत से यात्रियों को नए विकल्प मिले हैं। उरण लाइन पर 10 नई उपनगरीय सेवाएं शुरू की गईं, जिससे कुल सेवाएं बढ़कर 1820 हो गईं। इससे मुंबई महानगरीय क्षेत्र में यात्रियों को राहत मिली है।

एसी लोकल ट्रेनों में बढ़ोतरी

सीएसएमटी-कल्याण और सीएसएमटी-पनवेल मार्ग पर 28 सेवाओं को एसी लोकल में बदला गया, जिससे कुल एसी सेवाएं बढ़कर 94 हो गई हैं। इससे यात्रियों को अधिक आरामदायक यात्रा का विकल्प मिला है।

त्योहारों में चलाई गई विशेष ट्रेनें

त्योहारों के दौरान बढ़ती भीड़ को देखते हुए मध्य रेल ने 12,032 विशेष ट्रेन यात्राएं संचालित कीं। इसमें गणपति, दिवाली, छठ, होली और गर्मियों की विशेष ट्रेनें शामिल हैं। इस अवधि में 7 नए स्टेशन शुरू किए गए, जिनमें मुंबई उपनगरीय क्षेत्र के गवन और तर्धर शामिल हैं। साथ ही 12 स्टेशनों का पुनर्विकास किया गया और 77 जोड़ी ट्रेनों की गति 110 से बढ़ाकर 130 किमी प्रति घंटा की गई। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 33 ट्रेनों में 76 अतिरिक्त ठहराव दिए गए हैं, जिससे अधिक से अधिक लोगों को रेल सेवाओं का लाभ मिल सके। मध्य रेल ने IRCTC के सहयोग से 18 पर्यटक ट्रेनें चलाईं, जिनमें भारत गौरव और मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना की ट्रेनें शामिल हैं, जिससे धार्मिक और पर्यटन यात्रा को बढ़ावा मिला है।

अखबार विक्रेता की बेटी ने बीयूएमएस में किया

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

गैबी नगर इलाके की रहने वाली लायबा नूर अंसारी ने अपनी मेहनत और लगन के दम पर BUMS (बैचलर ऑफ यूनानी मेडिसिन एंड सर्जरी) 2025 में पूरे महाराष्ट्र में पहला स्थान हासिल कर इतिहास रच दिया है। उनकी इस उपलब्धि से न केवल परिवार, बल्कि पूरे शहर में खुशी की लहर दौड़ गई है।

संघर्ष भरी पृष्ठभूमि से सफलता तक का सफर

लायबा के पिता स्वर्गीय अब्दुल वहाब अंसारी भिवंडी में अखबार विक्रेता थे, जिनका तीन वर्ष पहले बीमारी के कारण निधन हो गया था। सीमित संसाधनों और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बावजूद लायबा ने अपने पिता के सपनों को साकार करने के लिए कठिन परिश्रम किया और यह मुकाम हासिल किया। लायबा के परिवार में एक भाई और चार बहनें हैं, जहां सभी शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। उनके बड़े भाई फिरोज अंसारी एक प्रतिष्ठित डॉक्टर हैं, जबकि बहनें भी उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। परिवार का शिक्षा के प्रति समर्पण लायबा की सफलता में अहम रहा। लायबा नूर अंसारी ने पुणे के ZVM यूनानी मेडिकल कॉलेज से अपनी पढ़ाई पूरी की और उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राज्य में टॉप किया। उनकी यह उपलब्धि उनके समर्पण और अनुशासन का प्रमाण मानी जा रही है।

टिकेकरवाड़ी में बनेगा हाई-टेक कोचिंग मेंटेनेंस डिपो

डीबीडी संवाददाता । सोलापुर

सेंट्रल रेलवे के सोलापुर डिवीज़न ने टिकेकरवाड़ी में कोचिंग मेंटेनेंस डिपो के निर्माण को मंजूरी देकर इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। इस परियोजना को वर्ष 2025–26 के बजट में शामिल किया गया है, जिससे क्षेत्र में रेलवे की क्षमता और संचालन दक्षता बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रस्तावित डिपो सोलापुर स्टेशन से लगभग 7 किलोमीटर दूर टिकेकरवाड़ी में विकसित किया जाएगा। यहां रेलवे की पर्याप्त भूमि उपलब्ध होने के कारण इसे बड़े पैमाने पर इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए उपयुक्त स्थान माना जा रहा है। भविष्य में यह स्टेशन सोलापुर के साथ एक महत्वपूर्ण ऑपरेशनल हब के रूप में काम करेगा।

कोचिंग मेंटेनेंस जरूरतों को मिलेगा समाधान

नई सुविधा को सोलापुर डिवीज़न की बढ़ती कोचिंग मेंटेनेंस आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। इससे ट्रेनों के रखरखाव में तेजी आएगी और संचालन में सुधार होगा। परियोजना के पहले चरण में दो नई वॉशिंग-कम-पिट लाइनों (लगभग 700 मीटर प्रत्येक) का निर्माण किया जाएगा। इसके साथ ही 750 मीटर और 650 मीटर पिट वाली दो अतिरिक्त लाइनों का विकास भी प्रस्तावित है।

स्टेबलिंग और ऑपरेशन में सुधार

कोच पार्किंग और मेंटेनेंस के लिए 750 मीटर लंबी दो स्टेबलिंग लाइनों का निर्माण किया जाएगा। साथ ही मौजूदा UP लूप लाइन को UP और DN कॉमन लाइन में परिवर्तित कर परिचालन लचीलापन बढ़ाया जाएगा। परियोजना में 1300 मीटर लंबी टैंडम व्हील लेथ (TWL) लाइन, डेडिकेटेड कोच स्टॉक लाइन और लोको ट्रिप शेड लाइन जैसी आधुनिक सुविधाएं शामिल हैं। इससे रोलिंग स्टॉक की मरम्मत तेज होगी और सेफ्टी स्टैंडर्ड में सुधार आएगा। इस इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड से रेक मेंटेनेंस में सुधार, ट्रेनों की तेज़ टर्नअराउंड टाइम और बेहतर यात्री सेवाएं सुनिश्चित होंगी। डाउनटाइम कम होने से ट्रेनों की उपलब्धता भी बढ़ेगी।

सड़कों से हटेंगे खटारा वाहन और अवैध कब्जे

▸▸ मेयर ने दिए सख्त निर्देश

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

शहर की लोकमान्य सावरकरनगर प्रभाग समिति में लंबे समय से जारी ट्रैफिक जाम की समस्या को दूर करने के लिए प्रशासन अब 'एक्शन मोड' में आ गया है। मेयर शर्मिला पिंपलोलकर ने सोमवार को एक उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि नागरिकों को इस भीषण जाम से राहत दिलाने के लिए तत्काल जमीनी कार्रवाई शुरू की जाए। सड़कों के किनारे खड़े पुराने, जंग लगे और लावारिस वाहन (Scrap Vehicles) जाम की सबसे बड़ी वजह हैं। मेयर ने अतिक्रमण विभाग को निर्देश दिया है कि वार्ड में जहां भी ऐसे वाहन दिखें, उन्हें तुरंत जब्त कर वहां से हटाया जाए। इससे सड़कों पर चलने के लिए अतिरिक्त जगह मिलेगी।

बसों की संख्या बढ़ेगी, रिक्शों पर लगेगी लगाम

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक प्रवीण माने ने सुझाव दिया कि यदि इंदिरा नगर से रोड नंबर 22, लोकमान्य नगर पाडा और आर.जे. ठाकुर कॉलेज जैसे इलाकों में परिवहन बसों के फेरे बढ़ा दिए जाएं, तो सड़कों पर ऑटो-रिक्शा की भीड़ अपने आप कम हो जाएगी। इससे यात्रियों को सस्ता और सुलभ विकल्प भी मिलेगा। गुमाश्ता लाइसेंस ऑफिस और यशोधन नगर से डिपो की ओर जाने वाली सड़कों पर गैरेज मालिकों ने अवैध कब्जा कर रखा है। मेयर ने इन पर कार्रवाई करने के साथ-साथ, मंगलवार को लगने वाले साप्ताहिक बाजार को बंद करने या स्थानांतरित करने का निर्देश दिया है, क्योंकि इससे ट्रैफिक पूरी तरह ठप्प हो जाता है। सदन के नेता हनमंत जगदाले ने सुझाव दिया कि शास्त्री नगर नाका में बसों के लिए दो अलग पार्किंग प्लॉट उपलब्ध कराए जाने चाहिए। इससे बसें सड़क के बीच खड़ी नहीं होंगी और अन्य वाहनों के लिए रास्ता साफ रहेगा।

'P1 और P2' पार्किंग का नया नियम

अव्यवस्थित पार्किंग को रोकने के लिए सावरकरनगर प्रभाग में P1 और P2 (सड़क के एक तरफ पार्किंग) की उचित योजना बनाई जाएगी। सोसाइटियों के बाहर सड़कों पर अवैध रूप से पार्क की गई गाड़ियों के खिलाफ अब नियमित कार्रवाई की जाएगी, ताकि यातायात में कोई बाधा न आए।

डाक विभाग और भारत डायमंड बोर्स के बीच ऐतिहासिक समझौता

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

भारतीय डाक विभाग, महाराष्ट्र सर्कल और भारत डायमंड बोर्स ने एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी का मुख्य उद्देश्य मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स स्थित भारत डायमंड बोर्स से होने वाले कीमती रत्नों और आभूषणों के आयात-निर्यात के लिए विशेष डाक सेवाएँ प्रदान करना है। इस समझौते पर इंडिया पोस्ट के वरिष्ठ अधीक्षक श्री पांडुरंग चोरमाले और BDB के अध्यक्ष श्री अनूप मेहता ने मुख्य पोस्टमास्टर जनरल (महाराष्ट्र सर्कल) श्री अमिताभ सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

बीकेसी परिसर में ही मिलेंगी अंतरराष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स सुविधाएँ

इस रणनीतिक साझेदारी के तहत, BDB के यूनिट नंबर 1 और 2 में स्थित फॉरेन पोस्ट ऑफिस (FPO) के माध्यम से सदस्यों और गैर-सदस्यों को संपूर्ण लॉजिस्टिक्स समाधान दिया जाएगा। गौरतलब है कि BDB परिसर में प्रतिदिन लगभग 45,000 लोगों की आवाजाही होती है और यहाँ 3500 कार्यालय संचालित हैं। अब इन व्यापारियों को अपने डोमेस्टिक पार्सल और अंतरराष्ट्रीय कंसाइनमेंट की बुकिंग के लिए परिसर से बाहर जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

डोरस्टेप सर्विसेज और एक्सपोर्ट्स के लिए लागत प्रभावी समाधान

साझेदारी की मुख्य विशेषताओं में डोरस्टेप लॉजिस्टिक्स सेवाएं शामिल हैं, जहाँ डाक विभाग प्राथमिक पार्टनर के रूप में स्पीड पोस्ट, इंडिया पोस्ट पार्सल और लॉजिस्टिक्स पोस्ट जैसी सेवाएँ प्रदान करेगा। श्री अमिताभ सिंह ने इस अवसर पर कहा कि इंडिया पोस्ट भारत की निर्यात विकास गाथा में सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है और यह साझेदारी डायमंड व ज्वेलरी एक्सपोर्ट सेक्टर के लिए गेम-चेंजर साबित होगी। BDB परिसर में फॉरेन पोस्ट ऑफिस खुलने से निर्यातकों को लागत प्रभावी समाधान मिलेगा।

सिद्धेश्वर एक्सप्रेस के 50 साल पूरे

डीबीडी संवाददाता । सोलापुर

मध्य रेल के सोलापुर मंडल ने 12116/12115 सोलापुर-मुंबई (छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस) सिद्धेश्वर सुपरफास्ट एक्सप्रेस के 50 वर्ष पूरे होने पर स्वर्ण जयंती मनाने की घोषणा की है। 8 अप्रैल 1976 को शुरू हुई यह ट्रेन आज भी लाखों यात्रियों के लिए भरोसेमंद सेवा बनी हुई है। सिद्धेश्वर एक्सप्रेस ने पिछले 50 वर्षों में सोलापुर और मुंबई के बीच मजबूत संपर्क स्थापित किया है। यह ट्रेन रोजाना हजारों दैनिक, व्यावसायिक और तीर्थ यात्रियों को सेवा प्रदान करते हुए दोनों शहरों के सामाजिक और आर्थिक संबंधों को सुदृढ़ कर रही है। इस ट्रेन का नाम 12वीं शताब्दी के संत श्री सिद्धरामेश्वर जी के नाम पर रखा गया है, जो क्षेत्र की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान को दर्शाता है।

तकनीकी विकास के साथ बदला सफर

शुरुआत में आईसीएफ कोच और डीजल इंजन से चलने वाली यह ट्रेन अब पूरी तरह विद्युतीकृत मार्ग पर अत्याधुनिक WAP-7 इंजन से संचालित हो रही है। सुपरफास्ट श्रेणी में अपग्रेड होने से इसकी गति और संचालन क्षमता में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। नवंबर 2018 में इस ट्रेन को आधुनिक एलएचबी कोच में परिवर्तित किया गया, जिससे यात्रियों को अधिक सुरक्षा, गति और आरामदायक यात्रा का अनुभव मिलता है। वर्तमान में इसमें 22 कोच हैं, जिनमें सभी श्रेणियों के यात्रियों के लिए सुविधाएं उपलब्ध हैं। करीब 455 किलोमीटर की दूरी को लगभग 8 घंटे 5 मिनट में तय करते हुए यह ट्रेन मोहोल, कुर्डुवाडी, दौंड, पुणे, कल्याण, ठाणे और दादर जैसे प्रमुख स्टेशनों को जोड़ती है।

गौतम बिरहाड़े बने एमएमआरसी के डायरेक्टर, संभाला कार्यभार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

गौतम बिरहाड़े को मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (MMRC) का डायरेक्टर (प्रोजेक्ट्स) नियुक्त किया गया है। उन्होंने मंगलवार को औपचारिक रूप से अपना कार्यभार संभाल लिया। इस मौके पर MMRC की मैनेजिंग डायरेक्टर अश्विनी भिड़े ने उन्हें गुलदस्ता देकर स्वागत किया। गौतम बिरहाड़े इंडियन रेलवे सर्विस इंजीनियर (IRSE) के वरिष्ठ अधिकारी हैं और उन्हें भारतीय रेलवे व मेट्रो प्रोजेक्ट्स में 33 से अधिक वर्षों का अनुभव है। उन्होंने विभिन्न बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बिरहाड़े ने कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, पुणे से सिविल इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की है, जबकि इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरु से इंजीनियरिंग में मास्टर्स किया है। उन्हें प्रोजेक्ट प्लानिंग, डिजाइन, कार्यान्वयन और संचालन में गहरी विशेषज्ञता हासिल है।

मेट्रो और रेलवे प्रोजेक्ट्स में अहम योगदान

उन्होंने अंडरग्राउंड और एलिवेटेड मेट्रो लाइनों, पुलों और रेल सिस्टम से जुड़े कई प्रोजेक्ट्स पर उल्लेखनीय काम किया है। उनकी कार्यशैली में गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखा जाता है। इस नियुक्ति से पहले बिरहाड़े महा-मेट्रो, पुणे में एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर (अंडरग्राउंड) के पद पर कार्यरत थे। इस दौरान उन्होंने महत्वपूर्ण अंडरग्राउंड मेट्रो सेक्शन के सफल कार्यान्वयन में अहम भूमिका निभाई।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

प्रियंका जैन
97699 94439

मेष यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। रोजगार मिलेगा। अप्रत्याशित लाभ संभव है। जोखिम न लें। धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी। मिलनसारिता व धैर्यवान प्रवृत्ति जीवन में आनंद का संचार करेगी। कई दिनों से रुका पैसा मिल सकेगा।

वृष बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न उठाएं। आज का दिन आपके लिए शुभ रहने की संभावना है। स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी। रोजगार के अवसर मिलेंगे। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

मिथुन मेहनत का फल मिलेगा। योजना फलीभूत होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कर्ज से दूर रहना चाहिए। खर्च में कमी होगी। कानूनी विवादों का निपटारा आपके पक्ष में होने की संभावना है। प्रतिष्ठितजनों से मेल-जोल बढ़ेगा।

कर्क विवाद से क्लेश होगा। फालतू खर्च होगा। पुराना रोग परेशान कर सकता है। जोखिम न लें। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। विद्यार्थियों को परीक्षा में सफलता प्राप्ति के योग हैं। सावधानी व सतर्कता से व्यापारिक अनुबंध करें। दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा।

सिंह मेहनत का फल कम मिलेगा। कार्य की प्रशंसा होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता रहेगी। संतान की शिक्षा की चिंता समाप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। महत्व के कार्य को समय पर करें। व्यावसायिक श्रेष्ठता का लाभ मिलेगा।

कन्या संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। धैर्य एवं शांति से वाद-विवादों से निपट सकेंगे। दुस्साहस न करें। नए विचार, योजना पर चर्चा होगी। स्वयं की प्रतिष्ठा व सम्मान के अनुरूप कार्य हो सकेंगे।

तुला कुसंगति से हानि होगी। वाहन मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें, जोखिम न लें। परेशानियों का मुकाबला करके भी लक्ष्य को हासिल कर पाएंगे। व्यापारिक लाभ होगा। संतान के प्रति झुकाव बढ़ेगा। शिक्षा व ज्ञान में वृद्धि होगी।

वृश्चिक किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ होगा। धन संचय की बात बनेगी। परिवार के कार्यों पर ध्यान देना जरूरी है। रुका कार्य होने से प्रसन्नाता होगी। आर्थिक सलाह उपयोगी रहेगी।

धनु चोट व रोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। क्रय-विक्रय के कार्यों में लाभ होगा। योजनाएं बनेंगी। उच्च और बौद्धिक वर्ग में विशेष सम्मान प्राप्त होगा। भाइयों से अनबन हो सकती है। अपनी वस्तुएं संभालकर रखें।

मकर राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। जायदाद संबंधी समस्या सुलझने के आसार बनेंगे। अनुकूल समाचार मिलेंगे तथा दिन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। नए संबंध लाभदायी सिद्ध होंगे।

कुंभ व्यवसाय ठीक चलेगा। पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। व्यय होगा। प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में नए अनुबंध लाभकारी रहेंगे। परिश्रम का अनुकूल फल मिलेगा। परिजनों के स्वास्थ्य और सुविधाओं की ओर ध्यान दें।

मीन व्यापार-व्यवसाय संतोषप्रद रहेगा। आपसी संबंधों को महत्व दें। अल्प परिश्रम से ही लाभ होने की संभावना है। खर्चों में कमी करने का प्रयास करें। अति व्यस्तता रहेगी। बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। थकान रहेगी ।

बच्चों की सुरक्षा और सकारात्मक ऊर्जा का प्राचीन विज्ञान

भारतीय संस्कृति में "नज़र लगना" केवल एक मान्यता नहीं, बल्कि एक गहरा भावनात्मक और ऊर्जात्मक अनुभव माना जाता है। खासकर छोटे बच्चों को लेकर यह विश्वास और भी मजबूत होता है, क्योंकि वे कोमल, संवेदनशील और ऊर्जा के स्तर पर अत्यधिक ग्रहणशील होते हैं। जब कोई व्यक्ति अत्यधिक प्रशंसा, ईर्ष्या या नकारात्मक भावना के साथ किसी बच्चे को देखता है, तो माना जाता है कि उस बच्चे की सकारात्मक ऊर्जा प्रभावित हो सकती है। इसके परिणामस्वरूप बच्चा अचानक रोने लगता है, चिड़चिड़ा हो जाता है, खाना छोड़ देता है या अस्वस्थ महसूस करता है। ऐसे में भारतीय परंपरा में कई ऐसे उपाय बताए गए हैं, जो न केवल इस नकारात्मक प्रभाव को दूर करने में सहायक माने जाते हैं, बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन भी स्थापित करते हैं।

सबसे प्रचलित उपायों में से एक है लाल मिर्च, अजवाइन और पीली सरसों का प्रयोग।

प्रियंका जैन
97699 94439

इन तीनों को मिट्टी के छोटे पात्र में डालकर जलाया जाता है और उसकी धूप बच्चे के आसपास घुमाई जाती है। मान्यता है कि इन पदार्थों से निकलने वाली तीव्र गंध और धुआं नकारात्मक ऊर्जा को समाप्त कर देता है। यह प्रक्रिया करते समय अक्सर यह देखा जाता है कि यदि धुआं ज्यादा तीखा और भारी लगे, तो समझा जाता है कि नजर का प्रभाव अधिक था। यह उपाय केवल एक क्रिया नहीं, बल्कि एक प्रकार का ऊर्जा शुद्धिकरण माना जाता है, जिसमें वातावरण और व्यक्ति दोनों को शुद्ध करने का प्रयास होता है।

इसी तरह शनिवार के दिन Hanuman जी की आराधना कर उनके कंधे का सिंदूर लाकर बच्चे के माथे पर लगाने की परंपरा भी काफी प्रचलित है। यह उपाय केवल धार्मिक आस्था से जुड़ा नहीं है, बल्कि इसमें सुरक्षा और शक्ति का भाव भी निहित है। हनुमान जी को नकारात्मक शक्तियों से रक्षा करने वाला देवता माना जाता है, इसलिए उनका सिंदूर एक प्रकार की आध्यात्मिक ढाल के रूप में देखा जाता है।

एक अन्य प्रभावशाली उपाय में नमक, राई, राल, लहसुन, प्याज के सूखे छिलके और सूखी मिर्च का प्रयोग किया जाता है। इन सभी को अंगारे पर डालकर उस धुएं को नजर लगे व्यक्ति के ऊपर सात बार घुमाया जाता है। सात बार घुमाने का महत्व भी प्रतीकात्मक है, जो पूर्णता और चक्र की समाप्ति को दर्शाता है। यह प्रक्रिया न केवल नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने के लिए मानी जाती है, बल्कि यह व्यक्ति के चारों ओर एक सकारात्मक ऊर्जा का घेरा भी बनाती है।

कई बार यह माना जाता है कि भोजन पर भी नजर लग जाती है, खासकर जब वह किसी खास अवसर पर या प्रेम से बनाया गया हो। ऐसे में भोजन का थोड़ा सा भाग एक पत्ते पर रखकर उस पर गुलाब जल छिड़ककर रास्ते में रख दिया जाता है। इसके पीछे भाव यह है कि नकारात्मक ऊर्जा उस अंश के साथ चली जाए और शेष भोजन सुरक्षित और शुद्ध हो जाए। इसके बाद परिवार के लोग निश्चिंत होकर भोजन ग्रहण कर सकते हैं।

पान के साथ गुलाब की सात पंखुड़ियां खिलाने का उपाय भी बेहद रोचक और प्रतीकात्मक है। यहां गुलाब को शुद्धता और प्रेम का प्रतीक माना जाता है, जबकि सात संख्या को पूर्णता का प्रतीक। जब नजर लगा व्यक्ति इष्ट देव का नाम लेकर इसे ग्रहण करता है, तो यह प्रक्रिया एक तरह से मानसिक और आध्यात्मिक शुद्धि का कार्य करती है। यह उपाय व्यक्ति के भीतर सकारात्मक भावनाओं को जागृत करता है, जिससे नकारात्मक प्रभाव स्वतः कम होने लगता है।

न्यूज़ ब्रीफ

बंदूक नहीं किताब उठाएंगे नक्सली बेल्ट के बच्चे

सुकमा। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में नक्सल प्रभाव वाले दूरदराज इलाकों में शिक्षा व्यवस्था को पुनर्जीवित करने की दिशा में प्रशासन ने अहम पहल की है। सुकमा जिले के कोंटा ब्लॉक में 22 नए स्कूल खोलने का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। जिन गांवों में कभी माओवादी 'जनताना स्कूल' के जरिए अपनी विचारधारा का प्रसार करते थे, वहां अब औपचारिक शिक्षा, संविधान और मुख्यधारा की पढ़ाई को बढ़ावा देने की तैयारी शुरू हो गई है। शिक्षा से वंचित हैं हजारों बच्चे बीजापुर और सुकमा के कई वनांचल गांव वर्षों तक प्रशासनिक पहुंच से बाहर रहे, जिसके कारण शिक्षा पूरी तरह ठप हो गई थी। हालात ऐसे हैं कि कई बच्चों ने आज तक स्कूल नहीं देखा, और अब उन्हें प्रारंभिक स्तर से पढ़ाई शुरू करानी पड़ रही है। कोंटा ब्लॉक इन चुनौतियों से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में रहा है, जहां शिक्षा का ढांचा लगभग शून्य हो चुका था। 20 बच्चों ने देखा ब्लैकबोर्ड इसी बीच पूववर्ती गांव में सुरक्षा बलों द्वारा शुरू किए गए गुरुकुल मॉडल ने बदलाव की नई राह दिखाई है। करीब 20 वर्षों बाद यहां बच्चों को पहली बार स्कूल, ब्लैकबोर्ड और पढ़ाई की बुनियादी जानकारी मिली। वर्तमान में गुरुकुल में लगभग 30 बच्चे अध्ययनरत हैं, जबकि शिक्षा विभाग द्वारा संचालित स्कूल में भी 20 से अधिक बच्चों का नामांकन हो चुका है। टेकलागुड़ा सहित अन्य गांवों में भी सुरक्षा कैंप स्थापित होने के बाद स्कूल और स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार हुआ है।

जनता पर टैक्स का बोझ, सरकार कर रही मौज : बिंदल

मंडी। हिमाचल प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की दो दिवसीय प्रदेश कार्यसमिति बैठक के दौरान पार्टी नेतृत्व ने राज्य सरकार की नीतियों पर तीखा प्रहार किया। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में प्रदेश की जनता महंगाई, बढ़ते करों और प्रशासनिक अव्यवस्था से जूझ रही है। उन्होंने कहा कि सरकार लगातार नए कर और शुल्क लगाकर आम लोगों पर आर्थिक बोझ बढ़ा रही है, कई रूट पर बसों का संचालन बंद उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एचआरटीसी किरायों में वृद्धि और कई रूटों के बंद होने से आम यात्रियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, जबकि राशन व्यवस्था भी प्रभावित हुई है। स्टांप ड्यूटी, सीमेंट कीमतों और एंट्री टैक्स में बढ़ोतरी का असर व्यापार और परिवहन क्षेत्र पर पड़ रहा है। डीजल पर वैट और अतिरिक्त सेस को लेकर भी उन्होंने सरकार को घेरा और कहा कि इससे महंगाई और बढ़ी है, जबकि केंद्र सरकार राहत देने का प्रयास कर रही है। हर वर्ग में पनप रहा असंतोष डॉ. राजीव बिंदल ने राज्य में कथित तौर पर माफिया गतिविधियों, भाई-भतीजावाद और पक्षपात के बढ़ने का भी आरोप लगाया। उनका कहना था कि बेरोजगार युवा, कर्मचारी, किसान, बागवान और सेवानिवृत्त वर्ग सभी असंतोष की स्थिति में हैं।

शिक्षामित्रों को इसी माह से मिलेगा 18000

- कैबिनेट ने 22 प्रस्तावों को दी मंजूरी, अनुदेशकों के मानदेय पर मुहर
- 12 हजार विस्थापित परिवारों के लिए नागरिकता पात्रता प्रस्ताव पारित

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार की कैबिनेट ने बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत शिक्षा मित्र और अनुदेशकों के मानदेय में 10-10 हजार रुपये की मासिक बढ़ोतरी करने की मंजूरी दे दी है। यह बढ़ा हुआ मानदेय इसी माह अप्रैल से दिया जाएगा। सरकार ने पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, रामपुर व बिजनौर के 12 हजार से अधिक विभाजन समय से विस्थापित परिवारों को भारतीय नागरिकता के लिए पात्रता के सम्बंध में प्रस्ताव सहित कुल 22 महत्वपूर्ण प्रस्तावों को भी अनुमोदित कर दिया है।

प्रयागराज में 231 करोड़ का वाटर प्लांट

इसमें बुंदेलखण्ड में 100 एकड़ में सोलर प्लांट स्थापित किए जाने, प्रयागराज में 231 करोड़ के निवेश से वाटर प्लांट स्थापित किए जाने, सोलर सेल निर्माण इकाई स्थापित करने संबंधी अन्य प्रस्तावों को मंजूरी शामिल है। उत्तर प्रदेश कैबिनेट ने जनपद पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, रामपुर व बिजनौर में भारत पाकिस्तान विभाजन के समय विस्थापित होकर आए परिवारों को भारतीय नागरिकता के लिए पात्रता के सम्बंध में एक प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। एक लाख 29 हजार 332 शिक्षा मित्रों का मानदेय केंद्र का अंश बढ़ाया गया है।

छात्रों के लिए खरीदे जाएंगे 25 लाख टैबलेट

मंत्री खन्ना ने बताया कि उप्र सरकार 25 लाख स्मार्ट टैबलेट खरीदेगी। इसके लिए कैबिनेट से मंजूरी मिल गयी है। यह टैबलेट उप्र में पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों को वितरित किए जाएंगे। इनमें ज्यादातर अंतिम वर्ष के विद्यार्थी होंगे। इससे पहले 60 लाख स्मार्ट फोन एवं टैबलेट खरीदे जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि औद्योगिक विकास विभाग के आठ प्रस्ताव कैबिनेट में आए। सभी प्रस्तावों को अनुमोदन मिल गया है। सभी आठ प्रस्ताव निवेश से जुड़े हैं। मंगलवार को लोकभवन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक हुई।

49 नए बस अड्डों का होगा विकास

मंत्री ने बताया पीपीपी मॉडल पर 49 नए बस अड्डों के सम्बंध में प्रस्ताव शामिल है। पहले फेज में पीपीपी मॉडल पर 23 बस अड्डों की एल.वाई जारी हो गई थी। आज 49 बस अड्डों की स्वीकृति मिली है। कुल मिलाकर 52 जनपदों को इससे आच्छादित किया जा रहा है। परिवहन मंत्री ने बताया कि यह पीपीपी मॉडल के बस अड्डे हवाई अड्डे की तर्ज़ पर होंगे। सुविधाओं को एयरपोर्ट की तर्ज़ पर दिया जाएगा।

नदी में डूबे तीन सगे भाई

एजेंसी । पटना/समस्तीपुर

बिहार के समस्तीपुर जिले के शिवाजीनगर थाना क्षेत्र स्थित बरियाही घाट पर करेह नदी में स्नान के दौरान दर्दनाक हादसे में तीन सगे भाइयों की डूबने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान बोरज गांव निवासी आदित्य (17), हर्षित (15) और कार्तिक (13) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, पिता सुदर्शन कुमार झा के साथ नदी में नहाते समय एक भाई गहरे पानी में चला गया, जिसे बचाने के प्रयास में अन्य दोनों भाइयों ने भी छलांग लगा दी, लेकिन तेज बहाव और गहराई के कारण तीनों डूब गए। पिता की आंखों के सामने हुई इस घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस व प्रशासन की टीम पहुंची। स्थानीय गोताखोरों की मदद से आदित्य और हर्षित को निकालकर अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया, जबकि सबसे छोटे भाई कार्तिक का शव करीब चार घंटे बाद बरामद हुआ।

चार घंटे बाद मिला छोटे का शव

तीनों को डूबते देख शोर मचाते हुए घर पहुंचे। सैकड़ों ग्रामीण घटनास्थल पर जुट गए। घटना की सूचना तत्काल शिवाजीनगर थाना को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय मछुआरों की मदद से दो भाइयों को नदी से निकाला गया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बहेरी और शिवाजीनगर भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल समस्तीपुर रेफर कर दिया। बताया गया कि सुदर्शन कुमार झा दिल्ली में सुरक्षा गार्ड हैं और परिवार रामनवमी के अवसर पर गांव आया था। जहां यह हादसा हो गया। प्रशासन ने पीड़ित परिवार को सरकारी प्रावधान के तहत मुआवजा देने का आश्वासन दिया है।

मिडिल ईस्ट में फंसे कामगारों के लिए हेल्पलाइन शुरू

एजेंसी । पटना

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच बिहार सरकार ने विदेशों में कार्यरत अपने श्रमिकों की सुरक्षा को लेकर सक्रिय कदम उठाया है। राज्य सरकार ने मिडिल ईस्ट में फंसे बिहारी मजदूरों के लिए हेल्पलाइन सुविधा शुरू करते हुए पटना में एक केंद्रीकृत कंट्रोल रूम स्थापित किया है। यह

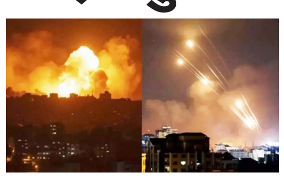

निर्णय मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत की अध्यक्षता में आयोजित क्राइसिस मैनेजमेंट बैठक में लिया गया, जिसमें आपात स्थिति से निपटने की रणनीति पर विस्तार से विचार किया गया।

मौसम की मार: दो साल से बन रहा पुल ढहा

- रावी नदी पर लोनिवि दो साल से करवा रहा था निर्माण

एजेंसी । शिमला/चंबा

हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के जनजातीय क्षेत्र भरमौर में रावी नदी पर निर्माणाधीन सियुर पुल मंगलवार सुबह अचानक ध्वस्त हो गया, जिससे क्षेत्र की कनेक्टिविटी बुरी तरह प्रभावित हो गई।

भारी बारिश और ओलावृष्टि की संभावना

यह पुल होली से भरमौर के बीच यातायात को सुगम बनाने और आसपास की कई पंचायतों को जोड़ने के लिए बनाया जा रहा था। सुबह करीब आठ बजे पहाड़ी से भारी मलबा और चट्टानें गिरने के बाद पुल का बड़ा हिस्सा ढह गया और निर्माण सामग्री समेत नदी में बह गया, जिससे परियोजना को गंभीर क्षति पहुंची है। लोक निर्माण विभाग द्वारा लगभग दो वर्षों से निर्माणाधीन इस पुल पर करीब चार करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके थे और अंतिम चरण का कार्य चल रहा था। दोनों ओर स्टील रेलिंग का काम पूरा हो चुका था और जल्द ही यातायात शुरू होने की उम्मीद थी। भरमौर के विधायक डॉ. जनक राज ने घटना की पुष्टि करते हुए विभाग को नुकसान

का आकलन करने और प्रभावित क्षेत्रों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था शीघ्र सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

इकलौता कमाऊ पूत गया, अनाथ हुईं पांच बेटियां

- बिहार में जहरीली शराब से छह दिन में 11 मौतें

एजेंसी । पटना/मोतिहारी

बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के मोतिहारी में जहरीली शराब पीने से मौतों का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। बीते छह दिनों में मरने वालों की संख्या 11 तक पहुंच गई है। ताजा मामला रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के बालगंगा वार्ड संख्या-29 का है, जहां सोमवार देर रात जितेंद्र शाह की मौत हो गई। जितेंद्र शाह की मौत ने एक पूरे परिवार को संकट में डाल दिया है।

दो अप्रैल से शुरू हुआ सिलसिला

इस घटना की शुरुआत 2 अप्रैल से मानी जा रही है। 4 अप्रैल तक चंदू कुमार, प्रमोद कुमार, परीक्षण मांझी, हीरालाल भगत, लालकिशोर राय, संपत साह और लड्डू साह की जान जा चुकी थी। इसके बाद 5 अप्रैल को मो. इलियास अंसारी, लड्डू साह (बालगंगा) और जोधा मांझी की मौत हुई। 6 अप्रैल की रात जितेंद्र शाह के निधन के साथ मृतकों की कुल संख्या 11 हो गई। प्रशासन के अनुसार स्थिति अभी भी चिंताजनक बनी हुई है। करीब 15 लोग विभिन्न

अस्पतालों में भर्ती हैं, जिनमें से कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। कुछ पीड़ितों की आंखों की रोशनी प्रभावित होने की सूचना भी सामने आई है, जो जहरीली शराब के प्रभाव की गंभीरता को दर्शाता है। वह परिवार के इकलौते कमाने वाले सदस्य थे।

चौकीदार समेत कुल सात गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण के पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने बताया कि मामले में अब तक 7 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें एक चौकीदार भी शामिल है। इसके अलावा दो आरोपितों ने अदालत में आत्मसमर्पण किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपितों पर जहरीली स्प्रिट की बिक्री का आरोप है और पूरे नेटवर्क की जांच की जा रही है। कुछ पीड़ितों की आंखों की रोशनी प्रभावित होने की सूचना भी सामने आई है, जो जहरीली शराब के प्रभाव की गंभीरता को दर्शाता है।

टेरर कनेक्शन: कैराना से चार उठाए गए

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश एटीएस ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी आशंकाओं के बीच शामली जिले में तड़के छापेमारी कर एक महिला सहित चार संदिग्धों को हिरासत में लिया है। कार्रवाई कैराना क्षेत्र के अलग-अलग ठिकानों पर की गई, जहां सहारनपुर से पहुंची एटीएस टीम ने गोपनीय सूचना के आधार पर ऑपरेशन चलाया। प्रारंभिक पूछताछ के बाद टीम चारों को अपने साथ ले गई है और उनसे गहन पूछताछ की जा रही है। राशिद की पत्नी भी हिरासत में स्थानीय सूत्रों के मुताबिक हिरासत में लिए गए।

स्मारकों पर 403 करोड़ खर्च करेगी योगी सरकार

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार ने सामाजिक न्याय से जुड़े प्रतीक स्थलों के विकास के लिए बड़ा निर्णय लेते हुए "डॉ. भीमराव अंबेडकर मूर्ति विकास योजना" को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में तय किया गया कि राज्य की सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में 10-10 अंबेडकर स्थलों का चयन कर उनका सौंदर्यीकरण किया जाएगा।

स्थानीय कला को प्राथमिकता

समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने बताया कि योजना के तहत आंबेडकर के साथ-साथ सामाजिक न्याय के अन्य महानायकों जैसे संत रविदास, संत कबीरदास, ज्योतिबा फूले और महर्षि वाल्मीकि से जुड़े स्थलों को भी शामिल किया जाएगा। इन स्थानों पर चहारदीवारी, छतरी, हरित विकास और सुरक्षा संबंधी मानक सुविधाएं विकसित की जाएंगी, साथ ही स्थानीय कला शैली को भी प्राथमिकता दी जाएगी। प्रथम चरण में सार्वजनिक स्थलों पर स्थित मूर्तियों का उन्नयन किया जाएगा। कैबिनेट ने इसके अलावा जनपद बलिया में महर्षि भृगु के नाम पर नए राजकीय मेडिकल कॉलेज की स्थापना को भी मंजूरी दी है।

निचले स्तर से चढ़ा बाजार, तेज रिकवरी

- सेंसेक्स में 1403 और निफ्टी में 434 अंकों की बढ़त
- शुरुआती गिरावट के बाद बाजार ने की शानदार वापसी

एजेंसी । नई दिल्ली

शुरुआती भारी गिरावट के बावजूद घरेलू शेयर बाजार ने शानदार वापसी करते हुए लगातार चौथे कारोबारी सत्र में मजबूती के साथ बंद होने का सिलसिला जारी रखा। BSE Sensex और NSE Nifty 50 दोनों ही सूचकांकों ने निचले स्तर से तेज रिकवरी दर्ज की। सेंसेक्स करीब 1,403 अंक उछला, जबकि निफ्टी में भी 434 अंकों तक की तेजी देखने मिली।

आईटी, मेटल की खरीदारी से बदला माहौल

सुबह के सत्र में नकारात्मक वैश्विक संकेतों के चलते बाजार दबाव में खुला और सेंसेक्स 73,282 तक फिसल गया, जबकि निफ्टी भी 22,719 तक लुढ़का। हालांकि इसके बाद आईटी, मेटल और रियल्टी सेक्टर में जोरदार खरीदारी ने बाजार की दिशा बदल दी। बैंकिंग, ऑटो, एफएमसीजी और ऑयल एंड गैस शेयरों में भी तेजी रही, जबकि कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर दबाव में रहा। व्यापक बाजार में मिश्रित रुख दिखा, जहां मिडकैप इंडेक्स में हल्की बढ़त और स्मॉलकैप में मामूली गिरावट दर्ज की गई।

1.72 लाख करोड़ रुपये की पूंजी बढ़ी

तेजी के इस दौर से निवेशकों को बड़ा फायदा हुआ और बाजार पूंजीकरण में करीब 1.72 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की गई। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल मार्केट कैप बढ़कर 429.23 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। कारोबार के दौरान अधिकतर शेयर हरे निशान में बंद हुए, जो निवेशकों के सकारात्मक रुझान को दर्शाता है।

गिरावट के साथ बंद हुए अडाणी के शेयर

दिन के प्रमुख शेयरों में Wipro, Hindalco Industries, HCL Technologies, Tata Consultancy Services और Infosys प्रमुख बढ़त वाले शेयर रहे। वहीं Dr. Reddy's Laboratories, Adani Enterprises, Inter Globe Aviation, Apollo Hospitals और Mahindra & Mahindra में गिरावट दर्ज की गई। कुल मिलाकर दिनभर की उठापटक के बाद बाजार ने मजबूती के साथ क्लोजिंग दी, जिससे निवेशकों का भरोसा बरकरार रहा। अंत में सेंसेक्स 509.73 अंक की बढ़त के साथ 74,616.58 पर और निफ्टी 155.40 अंक चढ़कर 23,123.65 के स्तर पर बंद हुआ।

एचडीएफसी ने MCLR में की कटौती

- कर्ज लेने वाले ग्राहकों को मिलेगा सीधा लाभ
- सात अप्रैल से नई दरें होंगी प्रभावी

एजेंसी । नई दिल्ली

देश के प्रमुख निजी क्षेत्र के बैंक HDFC Bank ने कर्ज लेने वालों को राहत देते हुए चुनिंदा अवधि के लिए मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स बेस्ड लेंडिंग रेट (MCLR) में 5 बेसिस पॉइंट तक की कटौती की है। नई दरें 7 अप्रैल 2026 से प्रभावी हो गई हैं। इस बदलाव का सीधा लाभ उन ग्राहकों को मिलेगा जिनके होम, ऑटो या पर्सनल लोन फ्लोटिंग रेट और MCLR से जुड़े हुए हैं, जिससे उनकी मासिक किस्त (EMI) में कमी आएगी।

क्या होता है एमसीएलआर

MCLR वह न्यूनतम ब्याज दर होती है, जिसके नीचे बैंक किसी भी लोन पर ब्याज नहीं ले सकता। इसे Reserve Bank of India ने वर्ष 2016 में लागू किया था, ताकि ऋण दरों में पारदर्शिता लाई जा सके। MCLR में बदलाव आमतौर पर फंड की लागत और बाजार स्थितियों के आधार पर किया जाता है, जिसका असर सीधे उधारकर्ताओं की ईएमआई पर पड़ता है। इसके अलावा बैंक का बेस रेट फिलहाल 8.80 प्रतिशत बना हुआ है, जबकि बेंचमार्क PLR 17.30 प्रतिशत है। हाल ही में बैंक ने फिक्स्ड डिपॉजिट (FD) दरों में भी संशोधन किया।

899 रुपये तक महंगा हुआ हवाई किराया

एजेंसी । नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी तनाव और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (ATF) की कीमतों में तेज उछाल का असर अब हवाई किरायों पर साफ दिखने लगा है। देश की प्रमुख विमानन कंपनी Air India ने बढ़ती लागत के दबाव को देखते हुए फ्यूल सरचार्ज में संशोधन का फैसला किया है, जिसके तहत घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के किराए 8 अप्रैल से महंगे हो जाएंगे। कंपनी के अनुसार जेट फ्यूल की कीमतों में हालिया वृद्धि के कारण परिचालन लागत में उल्लेखनीय इजाफा हुआ है, जिसे संतुलित करने के लिए यह

कदम उठाया गया है। नई व्यवस्था के तहत घरेलू उड़ानों के टिकट 299 से 899 रुपये तक महंगे हो सकते हैं, जबकि अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर किराए में 2,200 से लेकर 26,000 रुपये तक की बढ़ोतरी संभव है। कंपनी ने समान सरचार्ज की पुरानी प्रणाली खत्म कर दूरी आधारित नई ग्रिड प्रणाली लागू करने का निर्णय लिया है, जो Air India Express की उड़ानों पर भी लागू होगी।

सालभर में बिके 24.52 लाख इलेक्ट्रिक वाहन

- एक साल में 24.6 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों (EV) का बाजार तेज रफ्तार से विस्तार कर रहा है। Federation of Automobile Dealers Associations (FADA) के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में कुल ईवी रिटेल बिक्री 24.6 प्रतिशत बढ़कर 24.52 लाख यूनिट तक पहुंच गई। दोपहिया, तिपहिया, यात्री और वाणिज्यिक—सभी श्रेणियों में दो अंकों की वृद्धि दर्ज की गई, जो देश में स्वच्छ ऊर्जा आधारित परिवहन की ओर तेजी से बढ़ते रुझान को दर्शाती है।

टीवीएस ने सर्वाधिक 3.41 लाख यूनिट बेची

इलेक्ट्रिक दोपहिया सेगमेंट में भी मजबूत प्रदर्शन देखने को मिला, जहां बिक्री 21.81 प्रतिशत बढ़कर 14,01,818 यूनिट हो गई। इस श्रेणी में TVS Motor Company ने 3.41 लाख से अधिक यूनिट के साथ बढ़त बनाए रखी, जबकि Bajaj Auto और Ather Energy क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। वहीं, इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर बिक्री भी करीब 19 प्रतिशत बढ़कर 8.30 लाख यूनिट तक पहुंच गई।

कमर्शियल बिक्री में उछाल, 19454 यूनिट की बिक्री

आंकड़ों के मुताबिक इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बिक्री 14 लाख यूनिट के पार पहुंच गई, जबकि इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में 83.63 प्रतिशत की उल्लेखनीय बढ़त के साथ करीब 1.99 लाख यूनिट की बिक्री हुई। इस श्रेणी में Tata Motors 78,811 यूनिट के साथ शीर्ष पर रही, जबकि JSW MG Motor India और Mahindra & Mahindra क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। FADA के अध्यक्ष सीएस विग्नेश्वर ने इसे भारतीय इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के लिए "ऐतिहासिक वर्ष" बताया है। सबसे तेज उछाल इलेक्ट्रिक कमर्शियल व्हीकल सेगमेंट में दर्ज किया गया, जहां बिक्री 120 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 19,454 यूनिट हो गई। यह वृद्धि संकेत देती है कि लॉजिस्टिक्स और सार्वजनिक परिवहन में भी ईवी अपनाने की गति तेज हो रही है।

गुजरात विक्ट्री फोर्जिंग्स का IPO सेबी के पास ड्राफ्ट दाखिल

एजेंसी । मुंबई

गुजरात विक्ट्री फोर्जिंग्स लिमिटेड ने प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (IPO) के जरिए पूंजी जुटाने के लिए बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्डसेबी के पास ड्राफ्ट पेपर्स दाखिल किए हैं। फ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (DRHP) के अनुसार, प्रस्तावित IPO में 65 लाख तक नए इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे, जबकि प्रवर्तक द्वारा 1.32 करोड़ तक इक्विटी शेयरों की बिक्री (ऑफर फॉर सेल) की जाएगी। प्रवर्तक करेंगे हिस्सेदारी की बिक्री ऑफर फॉर सेल (OFS) के तहत प्रवर्तक विजेंद्रकुमार बिशंबर गुप्ता अपनी हिस्सेदारी का एक हिस्सा बेचेंगे।

नॉन-फेरस मेटल उत्पादों का निर्माण

गुजरात विक्ट्री फोर्जिंग्स नॉन-फेरस मेटल उत्पादों के निर्माण में सक्रिय है, जिसमें मेटल स्क्रैप की प्रोसेसिंग और रीसाइक्लिंग शामिल है। कंपनी के उत्पाद पोर्टफोलियो में हाई-प्योरिटी कॉपर कैथोड, कॉपर ट्यूब और पाइप, कॉपर रॉड, कॉपर बसबार, ब्रास ट्यूब और कॉपर-आधारित मास्टर एलॉय शामिल हैं। न उत्पादों का उपयोग पावर इंफ्रास्ट्रक्चर, ऑटोमोबाइल, निर्माण और रिन्यूएबल एनर्जी जैसे क्षेत्रों में होता है इश्यू के लिए मोनार्क नेटवर्थ कैपिटल और निर्भय कैपिटल सर्विसेज बुक-रनिंग लीड मैनेजर नियुक्त किया गया है।

दिल्ली की निगाह विजयी हैट्रिक पर

गुजरात के सामने साख बचाने की चुनौती

एजेंसी। नई दिल्ली

शानदार फॉर्म में चल रही दिल्ली कैपिटल्स की टीम बुधवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैदान पर उतरेगी। अक्षर पटेल की कप्तानी वाली इस टीम की नजरें जीत की हैट्रिक पूरी करने पर टिकी हैं। दिल्ली ने अपने शुरुआती दोनों मुकाबलों में दबदबा बनाए रखा है और टीम इसी लय को बरकरार रखना चाहती है। दिल्ली की हालिया सफलताओं के पीछे उनके 'इंपैक्ट खिलाड़ी' समीर रिजवी का बड़ा हाथ रहा है। मेरठ के इस विस्फोटक बल्लेबाज ने अपने दम पर टीम को दो मैचों में जीत दिलाई है। टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि रिजवी एक बार फिर अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से गुजरात के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाएंगे।

गुजरात टाइटंस के लिए अस्तित्व की लड़ाई

वहीं दूसरी ओर, शुभमन गिल की अगुवाई वाली गुजरात टाइटंस के लिए स्थिति नाजुक बनी हुई है। टीम पहली बार अपने शुरुआती दो मैच हार चुकी है। बुधवार को होने वाले मुकाबले में गुजरात हर हाल में जीत दर्ज करना चाहेगी ताकि वह लगातार तीन हार के शर्मनाक रिकॉर्ड से बच सके। दिल्ली के गेंदबाजों ने अब तक टूर्नामेंट में अनुशासन के साथ प्रदर्शन किया है। पावरप्ले हो या डेथ ओवर, गेंदबाजों ने विपक्षी बल्लेबाजों को बांधे रखा है। हालांकि, टीम के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय उनके शीर्षक्रम के बल्लेबाजों का फॉर्म बना हुआ है, जो उम्मीद के मुताबिक रन नहीं बना पा रहे हैं।

आमने-सामने

कुल मैच	:7
दिल्ली जीती	:3
गुजरात	:4

केएल राहुल की फॉर्म बनी चिंता

सलामी बल्लेबाज केएल राहुल अब तक टीम को बड़ी शुरुआत दिलाने में नाकाम रहे हैं। हालांकि, कप्तान और कोच को उन पर पूरा भरोसा है। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि जिस तरह से वह आउट हुए हैं, उसके लिए उन्हें सीधे तौर पर दोषी नहीं ठहराया जा सकता और वह किसी भी पल बड़ी पारी खेल सकते हैं।

मध्यक्रम और युवा सितारों का प्रदर्शन

दिल्ली के लिए नीतीश कुमार रेड्डी तीसरे नंबर पर संघर्ष करते दिखे हैं, जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि वह इस क्रम पर दबाव महसूस कर रहे हैं। हालांकि, श्रीलंका के पथुम निसंका ने पिछले मैच में अपनी लय हासिल कर ली है, जो पावरप्ले में रबाडा और सिराज जैसे तेज गेंदबाजों का सामना करने के लिए जरूरी है।

शुभमन गिल की वापसी की उम्मीद

गुजरात के लिए अच्छी खबर यह है कि नियमित कप्तान शुभमन गिल फिट हो सकते हैं। मांसपेशियों में खिंचाव के कारण वह पिछला मैच नहीं खेल पाए थे, लेकिन कार्यवाहक कप्तान राशिद खान ने संकेत दिए हैं कि गिल इस महत्वपूर्ण मुकाबले के लिए चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। गुजरात के गेंदबाज मोहम्मद सिराज और कागिसो रबाडा अब तक काफी महंगे साबित हुए हैं। प्रसिद्ध कृष्णा भी प्रदर्शन में निरंतरता नहीं दिखा पाए हैं। हालांकि, राशिद खान की लय और युवा तेज गेंदबाज अशोक शर्मा का शानदार प्रदर्शन गुजरात के लिए उम्मीद की एकमात्र किरण है।

रिजवी और स्टब्स की जुगलबंदी

समीर रिजवी ने लगातार तीन अर्धशतक लगाकर अपनी काबिलियत साबित की है। वह अब न केवल स्पिनरों बल्कि तेज गेंदबाजों के खिलाफ भी उतने ही सहज नजर आ रहे हैं। पिछले मैच में ट्रिस्टन स्टब्स ने भी उनका बखूबी साथ निभाया था, जिससे दिल्ली का मध्यक्रम काफी संतुलित नजर आ रहा है। दिल्ली की गेंदबाजी में मुकेश कुमार काफी किफायती रहे हैं। वहीं, टी नटराजन टीम के लिए 'तुरुप का इक्का' साबित हो रहे हैं, जिन्होंने 7.57 की इकोनॉमी से सर्वाधिक विकेट चटकाए हैं। कुलदीप यादव की कलाई की स्पिन और लुंगी एनगिडी की रफ्तार गेंदबाजी को और मजबूती प्रदान कर रही है। गुजरात टाइटंस के लिए सबसे बड़ी समस्या शीर्ष क्रम पर अत्यधिक निर्भरता है। पिछले मैच में साई सुदर्शन ने अच्छी शुरुआत दी थी, लेकिन मध्यक्रम उसका फायदा उठाने में विफल रहा। जोस बटलर जैसे अनुभवी खिलाड़ी के बल्ले से अभी तक कोई बड़ी पारी नहीं निकली है, जो टीम के लिए चिंता का सबब है।

पिच

कोटला की पिच पर आमतौर पर खूब रन बनते हैं। छोटी बाउंड्री के चलते खूब चौके-छक्के लगते हैं। स्पिनरों को मदद मिली है। पिछले हफ्ते दोपहर के मैच में मुंबई इंडियंस की टीम 162 रन ही बना पाई। शाम के मैच में बल्लेबाजों को फायदा मिलेगा।

मौसम

बुधवार को दिन में बारिश की संभावना है। शाम को बादल छाए रहेंगे। अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

अरुण जेटली स्टेडियम में ओवरऑल प्रदर्शन

कुल मैच	: 98
पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने जीते	: 48
लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम ने जीते	: 50

संभावित एकादश

दिल्ली : अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल, पाथुम निसंका, नीतीश राणा, ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड मिलर, विप्रज निगम, लुंगी एनगिडी, कुलदीप यादव, टी नटराजन, मुकेश कुमार। इंपैक्ट खिलाड़ी : समीर रिजवी। गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, कुमार कुशाग्र, जोस बटलर, वाशिंगटन सुंदर, ग्लेन फिलिप्स, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कैगिसो रबाडा, अशोक शर्मा, मोहम्मद सिराज। इंपैक्ट खिलाड़ी : शाहरुख खान।

नंबर गेम

03 मैच अरुण जेटली स्टेडियम में दोनों ने खेली हैं जिसमें से दो गुजरात और एक दिल्ली ने जीता है

10 विकेट से हराया था गुजरात ने दिल्ली को पिछले साल यहां खेले गए एकमात्र मुकाबले में

अमीनुल इस्लाम हटाए गए, तमीम तदर्थ समिति के प्रमुख

- बीसीसीआई से संबंध फिर शुरू करने के मद्देनजर की गई कार्रवाई
- तदर्थ समिति को तीन महीने के अंदर बीसीबी के चुनाव कराने होंगे

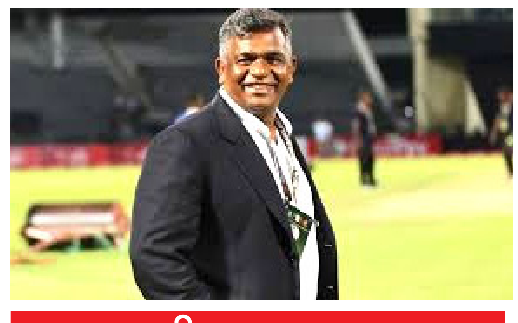

एजेंसी। ढाका

बांग्लादेश की राष्ट्रीय खेल परिषद (एनएससी) ने पूर्व कप्तान और बीसीबी के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम बुलबुल को मंगलवार को पद से हटा दिया। साथ ही नए चुनाव होने तक बोर्ड के दैनिक कामकाज को चलाने के लिए पूर्व बल्लेबाज तमीम इकबाल के नेतृत्व में तदर्थ समिति का गठन किया है।बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से द्विपक्षीय संबंधों को फिर से शुरू करने का अनुरोध किए जाने के कुछ ही दिन बाद ही यह कार्रवाई की गई है। आईसीसी के नियम बोर्ड के मामलों में सरकार या किसी बाहरी संस्था के हस्तक्षेप की अनुमति नहीं देते फिर भी इसकी संभावना कम है कि यह वैश्विक संस्था बीसीबी पर प्रतिबंध लगाएगी क्योंकि एनएससी द्वारा चुनाव कराने के लिए समय सीमा घोषित की जा चुकी है।

विवाद का असर

सूत्रों के अनुसार बुलबुल को मुख्य रूप से टी-20 विश्व कप के दौरान हुए विवाद के कारण हटाया गया। उस समय तत्कालीन अंतरिम सरकार के सलाहकार आसिफ नजरूल ने पूर्व कप्तान को काबू में कर लिया था और राष्ट्रीय टीम को इस प्रतियोगिता के लिए भारत जाने की अनुमति नहीं दी थी।भारत-विरोधी कट्टरपंथी नजरुल का रुख यह था कि आईपीएल से मुस्ताफिजुर रहमान को हटाए जाने के विरोध के तौर पर बांग्लादेश के टी-20 विश्व कप के मुकाबलों को कोलकाता और मुंबई से हटाकर श्रीलंका में स्थानांतरित कर दिया जाए। इस मामले में बुलबुल मूक दर्शक बने रहे और फिर उनके कारण बीसीबी के छह निदेशकों ने इस्तीफा दे दिया।

चुनाव की जिम्मेदारी

बांग्लादेश के महानतम सलामी बल्लेबाज तमीम इकबाल को 11 सदस्यीय तदर्थ समिति का प्रमुख बनाया गया है। इसकी जिम्मेदारी 90 दिन में क्रिकेट बोर्ड के चुनाव करवाना है। समिति में अतर अली खान, रश्ना इमाम, मिर्जा यासिर अब्बास, सैयद इब्राहिम अहमद, मिन्हाजुल अबेदिन नानू, इशराफिल खुसरो, तंजीम चौधरी, सलमान इस्पहानी, रफीकुल इस्लाम और फहीम सिन्हा शामिल हैं।एनएससी के निदेशक अमीनुल एहसान के अनुसार बीसीबी के मौजूदा बोर्ड को भंग करने और तदर्थ समिति बनाने के फैसले की सूचना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को दे दी गई है।

न्यूज़ ब्रीफ

चार मैच खेलने अर्जेंटीना जाएगी भारतीय महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली। भारतीय सीनियर महिला हॉकी टीम अपनी तैयारियों को पुख्ता करने के उद्देश्य से चार मैचों की सीरीज के लिए अर्जेंटीना का दौरा करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस महत्वपूर्ण दौरे के सभी मुकाबले 13, 14, 16 और 17 अप्रैल को नेशनल सेंटर ऑफ हाई परफॉर्मेंस एथलेटिक्स सेंटर में खेले जाएंगे। अर्जेंटीना की टीम विश्व की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक मानी जाती है, ऐसे में उनके घर में खेलना भारतीय खिलाड़ियों के लिए एक कड़ी चुनौती और सीखने का बड़ा अवसर होगा। यह दौरा न केवल खिलाड़ियों के अनुभव के लिए, बल्कि आगामी बड़े टूर्नामेंट्स की रणनीतियां तैयार करने के लिहाज से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

भारत की दो मिश्रित जोड़ियां पहले दौर में ही बाहर

निंगबो। बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में भारत की शुरुआत उम्मीद के मुताबिक नहीं रही। दुनिया की पूर्व नंबर एक जोड़ी सात्विक साइराज रांकीरेड्डी और चिराग शेट्टी के हटने के बाद युगल वर्ग में भारतीय खेमे को बड़ा झटका लगा। मंगलवार को मिश्रित युगल के पहले दौर में भारत की दोनों जोड़ियां हारकर बाहर हो गईं। रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गाडे की जोड़ी को आठवीं वरीयता प्राप्त मलेशियाई जोड़ी गोह सून हुआत और लेइ शेवोन जैमी ने 34 मिनट चले मुकाबले में 13-21, 19-21 से शिकस्त दी। वहीं, एक अन्य मुकाबले में असित सूर्या और अमृता प्रथमेश की जोड़ी भी मलेशिया के वोंग तियेन सि और लिम चियू सियेन से 16-21, 15-21 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई।

अलाना किंग फिर शीर्ष पर

एजेंसी। दुबई

ऑस्ट्रेलिया के कैरेबियाई दौरे में शानदार प्रदर्शन से अलाना किंग महिला वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में फिर शीर्ष पर पहुंच गई हैं। किंग ने अपने आखिरी मैच में पांच विकेट लिए जिससे मंगलवार को जारी सूची में वह इंग्लैंड की लेफ्ट-आर्म ऑर्थोडॉक्स स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन से आगे निकल गईं। किंग (753) ने मार्च में एक्लेस्टोन के चार साल के दबदबे को खत्म कर दिया था, हालांकि पिछले हफ्ते वह फिर पीछे रह गई थीं। वह ऑलराउंडर रैंकिंग (281) में एक पायदान ऊपर सातवें स्थान पर पहुंच गईं और इंग्लैंड की नेट शिवर-ब्रंट (280) को पीछे छोड़ दिया।

जूनियर राष्ट्रमंडल चैंपियन

भारोत्तोलक साईराज डोप में निलंबित

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप (जूनियर) के स्वर्ण पदक विजेता भारोत्तोलक साईराज परदेशी को राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने डोप परीक्षण में विफल होने के कारण अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। साईराज का परीक्षण 'मेटानोलोन' के लिए पॉजिटिव आया है। यह प्रतिबंधित एनाबॉलिक स्टेरॉयड मांसपेशियों को मजबूत करने में मदद करता है। महाराष्ट्र के 18 साल के साईराज ने पिछले साल राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में पुरुषों के 88 किग्रा जूनियर वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था।

साजिश का आरोप

उन्होंने डोप के नतीजे के पीछे साजिश का आरोप लगाया है। साईराज ने 24 अक्तूबर, 2025 को भारतीय भारोत्तोलन महासंघ और भारतीय खेल प्राधिकरण को ईमेल भेजकर दावा किया था कि राष्ट्रीय शिविर में एक कोच उनसे निजी दुश्मनी रखता है। उन्होंने आरोप लगाया कि उस कोच ने दूसरों को उकसाया कि वे उसके खाने-पानी में कुछ मिला दें। उसकी शिकायत के दो दिन बाद उसका डोप परीक्षण हुआ जिसका नतीजा नेगेटिव आया।

बॉलीवुड

शाहरुख खान बनेंगे 'जेलर 2' का हिस्सा

सुपरस्टार रजनीकांत की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जेलर 2' को लेकर नया अपडेट सामने आया है। इस एक्शन-थ्रिलर फिल्म में शाहरुख खान, मोहनलाल, विजय सेतुपति और मिथुन चक्रवर्ती जैसे बड़े सितारे नजर आएंगे। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, शाहरुख खान जल्द ही फिल्म के लिए 5 दिनों का शूटिंग शेड्यूल शुरू करने वाले हैं। खबर है कि शाहरुख खान फिल्म में एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा सकते हैं। वहीं, मोहनलाल ने अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है। इससे पहले विजय सेतुपति भी फिल्म में कैमियो करने की पुष्टि कर चुके हैं। इस मल्टीस्टारर फिल्म को लेकर फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह बना हुआ है। हाल ही में रजनीकांत ने बताया था कि फिल्म का निर्देशन नेल्सन दिलीपकुमार कर रहे हैं और इसकी शूटिंग अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। 'जेलर 2' साल 2023 की ब्लॉकबस्टर 'जेलर' का सीक्वल है। फिल्म में शिवराजकुमार और विद्या बालन भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। रिलीज डेट की घोषणा जल्द किए जाने की उम्मीद है।

इंटेंस रोमांस के साथ 'चांद मेरा दिल' का टीजर आया सामने

अनन्या पांडे और लक्ष्य लालवानी की आगामी फिल्म 'चांद मेरा दिल' का टीजर जारी कर दिया गया है। धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी इस फिल्म का निर्देशन विवेक सोनी ने किया है। रिलीज से पहले ही यह फिल्म अपनी कहानी और स्टारकास्ट को लेकर चर्चा में बनी हुई है। टीजर की शुरुआत अनन्या और लक्ष्य के रोमांटिक रिश्ते से होती है, जिसमें दोनों के बीच गहरा प्यार दिखाया गया है। बैकग्राउंड में प्यार में थोड़ा पागल तो होना ही पड़ता हैर जैसी लाइन कहानी की भावनात्मक टोन को सेट करती है। हालांकि, जल्द ही कहानी में एक मोड़ आता है और दोनों के रिश्ते में दूरियां और तड़प देखने को मिलती है, जो फिल्म को एक इंटेंस लव स्टोरी का रूप देता है। करण जौहर एक बार फिर प्यार, दर्द और जुनून से भरी कहानी के जरिए दर्शकों को आकर्षित करने की कोशिश कर रहे हैं। यह फिल्म म्यूजिकल-रोमांटिक जॉनर में एक भावनात्मक सफर पेश करेगी। 'चांद मेरा दिल' 22 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

एक्शन और ड्रामा से भरपूर 'मटका किंग' का ट्रेलर रिलीज

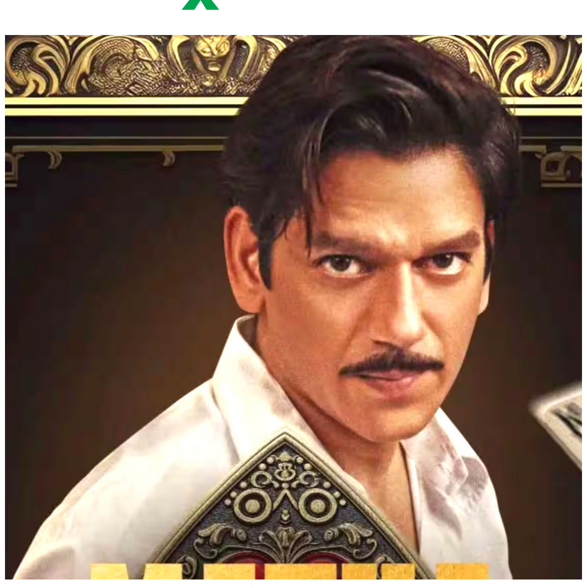

प्राइम वीडियो ने अपनी आगामी ओरिजिनल ड्रामा सीरीज 'मटका किंग' का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। नागराज मंजुले द्वारा निर्मित, लिखित और निर्देशित इस सीरीज को अभय कोरान्ने ने लिखा है। ट्रेलर 1960 के दशक के तेजी से बदलते बॉम्बे की पृष्ठभूमि पर आधारित एक दिलचस्प कहानी की झलक देता है, जिसमें एक आम आदमी के असाधारण सफर को दिखाया गया है। सीरीज में विजय वर्मा ब्रिज भट्टी नामक एक महत्वाकांक्षी कॉटन ट्रेडर के किरदार में नजर आएंगे, जो 'मटका' जुए के साम्राज्य को खड़ा करता है। कहानी दिखाती है कि कैसे अमीरों के शौक को वह देशभर का जुनून बना देता है, लेकिन इसके साथ जोखिम और खतरे भी बढ़ते जाते हैं। सीरीज में कृतिका कामरा, सई ताम्हणकर, सिद्धार्थ जाधव और गुलशन ग्रोवर सहित कई कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। विजय वर्मा ने इस प्रोजेक्ट को अपने लिए एक रोमांचक और चुनौतीपूर्ण अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि 1960 के दौर की इस कहानी में किरदार को जीना उनके लिए बेहद खास रहा। उनके मुताबिक, यह सीरीज महत्वाकांक्षा, ताकत और सफलता की कीमत की कहानी है, जो दर्शकों को बांधे रखेगी। 'मटका किंग' 17 अप्रैल को प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम की जाएगी।

जान्हवी कपूर ने अपने बॉयफ्रेंड के बारे में की खुलकर बात

जान्हवी कपूर हाल ही में 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' फिल्म में नजर आईं थी। इनमें उनके साथ वरुण धवन, रोहित शरफ और सान्या मल्होत्रा भी अहम किरदार में नजर आए थे। राज शमानी को दिए इंटर्व्यू में जान्हवी कपूर ने अपने बॉयफ्रेंड के बारे में खुलकर बातचीत की, और बताया कि उन्हें बॉयफ्रेंड के साथ कितना सुरक्षित और अपनापन महसूस होता है। जान्हवी कपूर और शिखर पहाड़िया एक दूसरे को काफी वक्त से डेट कर रहे हैं। वे अक्सर पार्टी, फैमिली फंक्शन और इवेंट्स में साथ नजर आते हैं। हाल ही में राज शमानी के साथ पॉडकास्ट में उन्होंने अपने रिलेशनशिप के बारे में खुलकर चर्चा की। जान्हवी ने शिखर के बारे में बात करते हुए कहा, 'प्यार की वजह से मैं उनके साथ खुद का सबसे सच्चा वर्जन बन पाती हूं। मुझे एक ऐसा सुरक्षित एहसास मिला है, जहां मैं अपने दिल की बात सुन सकती हूं और उस पर भरोसा कर सकती हूं। उनकी मौजूदगी हमेशा मुझे यही एहसास देती है।' उन्होंने आगे कहा, 'उनके साथ मैं बिल्कुल बच्चे जैसी बन जाती हूं। यह एक ऐसी जगह है जहां मैं बिना किसी झिझक के खुद रह सकती हूं। उनके साथ मुझे सबसे ज्यादा मजा आता है।' शिखर पहाड़िया, पूर्व गृह मंत्री सुशीलकुमार शिंदे के नाती हैं। उनकी मां स्मृति शिंदे एक एक्ट्रेस हैं। उनके बड़े भाई वीर पहाड़िया ने हाल ही में फिल्म स्काई फोर्स से बॉलीवुड डेब्यू किया, जिसमें अक्षय कुमार, निम्रत कौर और सारा अली खान भी नजर आए।

जान्हवी कपूर का अगला प्रोजेक्ट'

वर्क फ्रंट की बात करें तो जान्हवी कपूर जल्द ही लक्ष्य और टाइगर श्रोफ के साथ धर्मा प्रोडक्शंस की अगली एक्शन फिल्म 'लग जा गले' में नजर आ सकती हैं। खबरों के मुताबिक, इस फिल्म की शूटिंग पिछले महीने मुंबई में शुरू हो चुकी है, जिसे राज मेहता डायरेक्ट कर रहे हैं।

साइलेंस पीरियड लागू

▶▶ असम, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान कल

एजेंसी । नई दिल्ली

गुवाहाटी/कोच्चि। देश के दो राज्यों असम, केरल और एक केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों से जुड़ा प्रचार अभियान मंगलवार की शाम समाप्त हो गया। यहां 9 अप्रैल को एक ही चरण में वोट डाले जाएंगे और इसके बाद 4 मई को चुनाव परिणाम घोषित किए जाएंगे। असम की 126 सीटों, केरल की 140 सीटों और पुडुचेरी की 30 सीटों के लिए मतदान गुरुवार को एक ही चरण में होगा।

असम में कुल 2 .5 करोड़ मतदाता

असम में कुल 2 .5 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें 1.25 करोड़ पुरुष, 1.25 करोड़ महिलाएं और 343 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। 18-19 वर्ष आयु वर्ग के 5 .75 लाख युवा पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। असम की 126 विधानसभा सीटों के लिए 722 उम्मीदवार मैदान में हैं। यहां बहुमत का आंकड़ा 64 है। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन सभी राजनीतिक दलों के नेताओं ने प्रचार अभियान में हिस्सा लिया। राज्य की सत्ताधारी पार्टी भाजपा की ओर से केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने आज तीन चुनावी सभाओं को संबोधित किया। जबकि, प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा मध्य असम और ऊपरी असम में चुनाव प्रचार किया। वहीं, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोरव गोगोई समेत अन्य नेताओं ने भी चुनाव प्रचार के अंतिम दिन पूरी ताकत झोंक दी। इस बार के चुनाव में अंतिम समय में कांग्रेस पार्टी द्वारा मुख्यमंत्री की पत्नी पर लगाए गये आरोपों के मद्देनजर प्रचार के दौरान बयानों में मर्यादाएं भी तार-तार हो गयीं। दोनों ओर से बीते दो दिनों से आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है, जिससे चुनावी माहौल बेहद गर्म हो गया है।

केरल में पार्टी नहीं गठबंधन से तय होती है किस्मत

केरल विधानसभा की 140 सीटों के लिए 890 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। यहां प्रमुख राजनीतिक दलों के बीच मुकाबला त्रिकोणीय है। सरकार बनाने के लिए 71 सीटों का बहुमत आवश्यक है। राज्य में कुल 2 .71 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें 1.32 करोड़ पुरुष, 1 .39 करोड़ महिलाएं और 273 थर्ड जेंडर वोटर्स शामिल हैं। चुनाव आयोग के अनुसार, 2026 के केरल विधानसभा चुनाव में कुल 2,71,42,952 (लगभग 2 .71 करोड़) मतदाता मतदान करने के योग्य हैं। 2026 के केरल विधानसभा चुनाव में मुख्य मुकाबला मुख्यमंत्री पिनरई विजयन (धर्मदम) और विपक्षी नेता वी.डी. सतीशन (परवूर) के इर्द-गिर्द सिमटा हुआ है, जहाँ सतीशन कांग्रेस की पकड़ मजबूत करने के लिए राहुल गांधी के साथ सक्रिय हैं। दूसरी ओर, भाजपा की ओर से राजीव चंद्रशेखर (नेमोम) और के. सुरेंद्रन (मंजेश्वरम) एनडीए की साख बचाने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि अंबलप्पुझा सीट पर माकपा के बागी जी. सुधाकरन और एच. सलाम के बीच का संघर्ष सबसे दिलचस्प हो गया है, जहाँ विपक्षी गठबंधन यूडीएफ ने सुधाकरन को समर्थन देकर मुकाबले को त्रिकोणीय के बजाय व्यक्तिगत वफादारी पर केंद्रित कर दिया है।

पुडुचेरी में 30 सीटों पर चुनाव

पुडुचेरी में 30 सीटों पर चुनाव हो रहे हैं, जिनमें 5 सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं। सरकार बनाने के लिए 16 सीटों का बहुमत जरूरी है। यहां कुल 9 .44 लाख मतदाता हैं, जिनमें लगभग 4 .43 लाख पुरुष, 5 लाख महिलाएं और 139 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दलों ने जोरदार प्रचार अभियान चलाया है और मतदाताओं को अपने पक्ष में करने की पूरी कोशिश की जा रही है। इस बार महिलाओं और युवाओं की भागीदारी को लेकर खास उत्साह देखने को मिल रहा है।

बिष्णुपुर में बम धमाका दो बच्चों की मौत

▶▶ पांच जिलों में 3 दिन के लिए इंटरनेट बंद

एजेंसी । इंफाल

मणिपुर में एक बार फिर हिंसक घटना सामने आई है। मंगलवार देर रात बिष्णुपुर जिले के मोइरांग ट्रोंग्लाओबी इलाके में संदिग्ध कुकी उग्रवादियों द्वारा किए गए बम हमले में दो मासूम बच्चों की मौत हो गई, जबकि उनकी मां गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद से इलाके में तनाव का माहौल है। स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है।

रात में सोते वक्त हमला

मामले को लेकर मृतक बच्चों के दादा ओइनम बाबूतोम ने बताया कि यह घटना रात करीब एक बजे हुआ। उस समय एक बम सीधे उनके घर पर आकर गिरा। घर के कमरे में उनकी बहू और दो छोटे बच्चे सो रहे थे। धमाका इतना जोरदार था कि पांच साल के मासूम और छह महीने की बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। बच्चों की मां इस हमले में गंभीर रूप से घायल हो गई हैं। घटना के बाद बिगड़ते हालात को देखते हुए मणिपुर सरकार ने इंफाल वेस्ट, इंफाल ईस्ट, थोउबल, काकचिंग और बिष्णुपुर जिलों में इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाओं को अस्थायी रूप से बंद करने का आदेश जारी किया है।

चुनाव आयोग ने धार्मिक संगठनों से जुड़े लोगों के नाम काटे : सीएम बनर्जी

एजेंसी । कोलकाता

पश्चिम बंगाल में चुनाव को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लगातार विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का मुद्दा उठ रही हैं। आज सीएम ने एसआईआर के मुद्दे पर भारतीय चुनाव आयोग पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आयोग पर आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया के दौरान उसने विभिन्न धार्मिक और धर्मार्थ संगठनों के सदस्यों को भी नहीं बख्शा। मुख्यमंत्री ने नदिया और उत्तर 24 परगना जिलों में तीन चुनावी रैलियों को संबोधित किया। इनमें से दो रैलियों में, आयोग पर हमला बोलते हुए उन्होंने विशेष रूप से स्वामी विवेकानंद द्वारा स्थापित रामकृष्ण मठ और रामकृष्ण मिशन, तथा मदर टेरेसा द्वारा स्थापित 'मिशनरीज़ ऑफ़ चैरिटी' का नाम लिया।

मिशनरीज़ ऑफ़ चैरिटी से जुड़े लोगों का नाम हटाया

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सुनकर बहुत दुख हुआ कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान 'मिशनरीज़ ऑफ़ चैरिटी' से जुड़े 300 लोगों के नाम हटा दिए गए हैं। रामकृष्ण मठ और रामकृष्ण मिशन के संन्यासियों के नाम भी काटे गए।

अल्पसंख्यकों के जिलों को बनाया गया निशाना

ममता बनर्जी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रक्रिया के दौरान आयोग ने विशेष रूप से उन जिलों को निशाना बनाया जहां अल्पसंख्यकों और सामाजिक रूप से पिछड़े समुदायों की आबादी ज्यादा है। मालदा, मुर्शिदाबाद, उत्तर दिनाजपुर, दक्षिण 24 परगना, उत्तर 24 परगना और नदिया जैसे जिलों में सबसे ज्यादा नाम हटाए गए हैं।

किन समुदायों को बनाया गया निशाना?

उत्तर 24 परगना के बनगांव उप-मंडल में, मतुआ समुदाय के लोगों को निशाना बनाया गया है। वहीं नदिया के चकदाहा और हरिणघाटा जैसे इलाकों और उत्तर 24 परगना के गाइघाटा में मतदाता सूची से बड़ी संख्या में नामों को हटाया गया है।

सीएम सरमा की पत्नी पर तीन पासपोर्ट रखने का आरोप

दावे को सरकार ने बताया फर्जी

एजेंसी । गुवाहाटी

असम विधानसभा चुनावों के बीच राजनीतिक पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया है। कांग्रेस ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिंकी भुइयां सरमा पर तीन देशों के पासपोर्ट रखने का गंभीर आरोप लगाया। अब इस मामले में केंद्र सरकार की ओर से प्रतिक्रिया आई है। केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने इन दावों को पूरी तरह फर्जी और मनगढ़ंत करार दिया है। पिछले दिनों कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने दावा किया था कि रिंकी भुइयां सरमा के पास संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), एंटीगुआ-बारबुडा और मिस्र के पासपोर्ट हैं। कांग्रेस का आरोप है कि मुख्यमंत्री ने अपने चुनावी हलफनामे में इन विदेशी पासपोर्टों और विदेश में संपत्ति की जानकारी छुपाई है। इन आरोपों को खारिज करते हुए विदेश राज्य मंत्री मार्गेरिटा ने कहा कि कांग्रेस की ओर से साझा किए गए दस्तावेज फर्जी हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने राज्य पार्टी प्रमुख गौरव गोगोई के साथ मिलकर मुख्यमंत्री की पत्नी के खिलाफ कुछ दस्तावेज, पासपोर्ट आदि दिखाए थे और कहा था कि ये पासपोर्ट तीन बाहरी देशों के हैं।

सबरीमाला मामले पर सुप्रीम सुनवाई

महिला को तीन दिन अछूत नहीं माना जा सकता : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को केरल के सबरीमाला मंदिर समेत विभिन्न धर्मों में और धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई शुरू कर दी है। अदालत ने नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ का औपचारिक गठन किया है, जो 2018 के फैसले के खिलाफ दाखिल समीक्षा याचिकाओं पर विचार करेगी। सुप्रीम कोर्ट की न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना ने सबरीमाला संदर्भ के दौरान कहा कि किसी महिला को महीने के तीन दिन अछूत माना जा सकता है और चौथे दिन उसे इस श्रेणी से बाहर रखा जाए, ऐसा कानून या न्यायिक दृष्टिकोण सांविधानिक रूप से सही नहीं है।

▶▶ नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ के समक्ष है मामला

▶▶ सबरीमाला मंदिर में 2018 में महिलाओं को प्रवेश की अनुमति मिली थी

▶▶ फैसले की समीक्षा पर जिरह 22 अप्रैल तक पूरी होने की उम्मीद

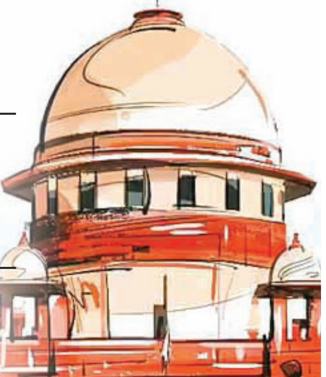

नहीं मिलेगा अतिरिक्त समय

सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की संविधान पीठ ने सबरीमाला मामले में पक्षकारों के वकीलों से कहा है कि वे निर्धारित समयसीमा का सख्ती से पालन करें। पीठ ने स्पष्ट किया कि और भी कई संवेदनशील मामले लंबित हैं, इसलिए अतिरिक्त समय नहीं दिया जाएगा। पीठ ने यह निर्देश सुनवाई के दौरान दिया और सभी पक्षों को समयबद्ध तरीके से अपने तर्क और दस्तावेज पेश करने का आदेश दिया। इस से यह संकेत मिलता है कि कोर्ट इस मामले में तेजी से फैसला सुनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

ब्रीफ खबर

खरगे के खिलाफ शिकायत दर्ज

गुवाहाटी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की असम इकाई ने मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) में शिकायत दर्ज कराई। पार्टी ने उन पर राज्य में एक चुनावी रैली में कथित 'नफरती भाषण' देने का आरोप लगाया है। भाजपा प्रवक्ता प्रांजल कलिता ने एक बयान में कहा, कांग्रेस नेता बार-बार संविधान का पालन करने का दावा करते हैं। लेकिन उनके कार्य सांविधानिक स्वतंत्रता और सभी धर्मों की प्रति सम्मान की मूल भावना के घोर विपरीत हैं। कलिता ने कहा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस)-भाजपा पर प्रतिबंध लगाने की खरगे की हालिया मांग न केवल राजनीतिक असहिष्णुता को दर्शाती है। बल्कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के भीतर बौद्धिक दिवालिया पन को भी उजागर करती है।

चुनाव खत्म होते ही शुरू होगा SIR का अंतिम चरण

नई दिल्ली। देश में निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया को और अधिक सटीक बनाने के लिए निर्वाचन आयोग एक बड़ा अभियान शुरू करने जा रहा है। केरल, असम, पुदुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों के नतीजे 4 मई को आने हैं। इसके तुरंत बाद, चुनाव आयोग देश के बाकी बचे 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का तीसरा और अंतिम चरण शुरू कर सकता है। इस सफाई अभियान के तहत अब तक 10 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में काम पूरा हो चुका है। अब तक लगभग 60 करोड़ मतदाताओं का डाटा वेरिफाई किया जा चुका है। अब बारी बाकी बचे 39 करोड़ मतदाताओं की है, जो दिल्ली, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा और कर्नाटक जैसे 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैले हुए हैं।

विजयवाड़ा में महिलाओं के वस्त्रों की प्रदर्शनी का शुभारंभ

इंदिरा ट्रेडिंग एवं वासुपुज्य एसोसिएट्स ने किया आयोजन

जितेन्द्र यादव । विजयवाड़ा

विजयवाड़ा में 7 अप्रैल 2026 से महिलाओं के वस्त्रों की दो दिवसीय प्रदर्शनी का शुभारंभ हो गया है। इस आयोजन का संचालन इंदिरा ट्रेडिंग एवं वासुपुज्य एसोसिएट्स (मुंबई टीम) द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम का आयोजन अमरावती कन्वेंशन हॉल, एम.जी. रोड में हो रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान गणेश की विशेष पूजा के साथ की गई। इसके पश्चात विशेष अतिथियों द्वारा फीता काटकर प्रदर्शनी का उद्‌घाटन किया गया।

दिग्गज व्यापारियों की मौजूदगी

प्रदर्शनी के पहले ही दिन प्रमुख खरीदारों की प्रभावशाली उपस्थिति देखने को मिली। इनमें सुरेश जी (वासवी सिल्क्स, एलुरु), श्री श्याम (विजयवाड़ा), वेंकटेश्वरा टेक्सटाइल्स (जहीराबाद), राधा माधव (सिरिसिल्ला), श्री रियाज़ अहमद (मैरा कॉटन ज़ोन, हैदराबाद), साईं सिल्क्स कला मंदिर (विजयवाड़ा), बी.आर.के. शॉपिंग मॉल (राजमुंदरी) सहित कई प्रतिष्ठित व्यापारी शामिल रहे। दक्षिण भारत तथा ओडिशा से आए थोक व्यापारी एवं खुदरा विक्रेता नए संग्रह और आकर्षक डिज़ाइन देखकर उत्साहित नजर आए। इस प्रदर्शनी में मुंबई, सूरत, अहमदाबाद, नागपुर एवं बेंगलुरु से आए निर्माता अपने नवीन संग्रह प्रस्तुत कर रहे हैं। प्रदर्शनी में महिलाओं के वस्त्र जैसे कुर्ती, बॉटम्स, नाइट वियर, बालिकाओं के परिधान, चूड़ीदार, टॉप्स, कॉर्ड सेट्स एवं अन्य अनेक प्रकार के परिधान उपलब्ध हैं। इस आयोजन में सहभागी प्रमुख नामों में ब्रह्माणी क्रिएशन, वंसिका, जय अंबे क्रिएशन, रामेश क्रिएशन, संस्कृती, प्रेम क्रिएशन्स, प्रीत क्रिएशन, श्रुति क्रिएशन, स्नेहा एंटरप्राइज (अन्या), रुटेज क्लोथिंग (झुमको), श्रेया एंटरप्राइज (वोक्रा) के साथ वैदेही गारमेंट्स का सर्च ब्रांड भी शामिल है।

अब हर 'टीनएज प्रेग्नेंसी' का होगा ऑडिट

बंगलुरू। कर्नाटक सरकार ने राज्य में किशोरियों के बीच बढ़ते गर्भधारण के मामलों को रोकने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक बेहद कड़ा फैसला लिया है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी नए आदेश के अनुसार, अब राज्य में होने वाली हर एक 'टीनएज प्रेग्नेंसी' का अनिवार्य रूप से ऑडिट किया जाएगा। सरकार के इस फैसले के मुताबिक, संबंधित तालुक स्वास्थ्य अधिकारी (टीएओ) को प्रत्येक मामले की व्यक्तिगत रूप से समीक्षा करनी होगी। यह केवल एक कागजी कार्रवाई नहीं होगी, बल्कि अधिकारी को यह जांचना होगा कि गर्भधारण किन परिस्थितियों में हुआ? क्या किशोरी को समय पर चिकित्सा सहायता मिली और क्या इसमें किसी प्रकार का शोषण या बाल विवाह शामिल है?

जिम्मेदारों की तय होगी जवाबदेही

मनी लॉन्ड्रिंग केस

कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर को राहत

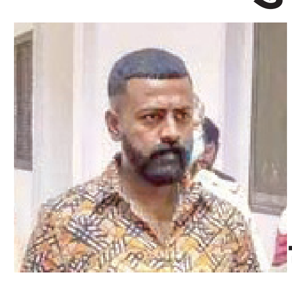

राउज एवेन्यू कोर्ट ने दी जमानत

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल में बंद कथित 'महाठग' सुकेश चंद्रशेखर को जमानत दे दी है। अदालत ने कहा कि किसी व्यक्ति को उचित अवधि से अधिक समय तक जेल में रखना उसके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि अत्यधिक अवधि तक कारावास व्यक्तिगत स्वतंत्रता और त्वरित सुनवाई के अधिकार के खिलाफ है। इसी आधार पर सुकेश को राहत दी गई। कोर्ट ने सुकेश चंद्रशेखर को 5 लाख रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही राशि की जमानत पर रिहा करने का निर्देश दिया है। साथ ही सख्त शर्तें भी लगाई गई हैं। अदालत ने आदेश दिया है कि आरोपी किसी भी गवाह से संपर्क नहीं करेगा और न ही उन्हें प्रभावित करने की कोशिश करेगा। यह शर्त जांच की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए लगाई गई है।

200 करोड़ की ठगी का आरोप

सुकेश चंद्रशेखर पर करीब 200 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का आरोप है। यह मामला साल 2021 में सामने आया था, जब तिहाड़ जेल से ही बड़े स्तर पर ठगी और मनी लॉन्ड्रिंग का खुलासा हुआ। जांच में यह भी सामने आया कि सुकेश ने ठगी की रकम से कई नामी हस्तियों को महंगे उपहार दिए। इसमें बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज का नाम प्रमुख रूप से चर्चा में रहा है। 200 करोड़ रुपये के इस घोटाले ने देशभर में काफी सुर्खियां बटोरी थीं। अब जमानत मिलने के बाद एक बार फिर यह मामला चर्चा का केंद्र बन गया है।

पासपोर्ट सरेंडर और यात्रा पर पाबंदी

सुकेश को अपना पासपोर्ट जमा करना होगा और बिना अदालत की अनुमति के देश छोड़ने की इजाजत नहीं होगी। इसके अलावा उसे जांच अधिकारी को अपना पता और मोबाइल नंबर भी देना होगा।

अप्रैल में बदला मौसम का मिजाज

नई दिल्ली। अप्रैल का महीना आमतौर पर गर्मी की शुरुआत के लिए जाना जाता है, लेकिन इस बार मौसम ने चौंका दिया है। दिल्ली-NCR, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा से लेकर उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश तक आसमान में घने बादल छाए हुए हैं और लगातार बारिश हो रही है। हालात ऐसे हैं मानो नवंबर जैसी ठंड लौट आई हो। मार्च के आखिरी दिनों से ही उत्तर भारत में बेमौसम बारिश का सिलसिला जारी है। इस दौरान तापमान में गिरावट दर्ज की गई और अब अप्रैल में भी बारिश और आंधी का दौर जारी रहने से मौसम ठंडा बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार हिमालयी क्षेत्रों में लगातार सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ इस बदलाव की मुख्य वजह हैं। इसके प्रभाव से पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी हो रही है, जबकि मैदानी क्षेत्रों में बारिश और तेज हवाएं चल रही हैं।

सख्त कदम देशभर में 1 लाख छापे, 52 हजार सिलेंडर जब्त

एलपीजी कालाबाजारी पर सर्जिकल स्ट्राइक

एजेंसी । नई दिल्ली

मध्य पूर्व एशिया में जारी युद्ध के कारण एलपीजी सप्लाई पर बढ़ते दबाव को देखते हुए केंद्र सरकार और सरकारी तेल कंपनियों ने देशभर में सख्त कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। भारत अपनी करीब 60% एलपीजी जरूरत आयात करता है, जिसमें से 90% सप्लाई स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ से होकर आती है, जो पिछले 39 दिनों से युद्ध प्रभावित क्षेत्र बना हुआ है। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, विशेष अभियान के तहत देशभर में 1 लाख से अधिक छापे मारे गए हैं। इस दौरान 52,000 से ज्यादा एलपीजी सिलेंडर जब्त किए गए हैं। इसके अलावा 850 से अधिक एफआईआर दर्ज की गईं और 220 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

डिस्ट्रिब्यूटर्स पर भी सख्ती

औचक निरीक्षण के बाद 1,500 से अधिक कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। 118 एलपीजी वितरकों पर जुर्माना लगाया गया है, जबकि 41 वितरकों को निलंबित कर दिया गया है। सरकार ने साफ संकेत दिए हैं कि नियमों का उल्लंघन करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को छापेमारी तेज करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही जमाखोरी, डायवर्जन और अफवाह फैलाने पर कड़ी निगरानी रखने को कहा गया है, ताकि जनता में अनावश्यक घबराहट न फैले।

होर्मुज़ में फंसे भारतीय जहाज

शिपिंग मंत्रालय के अनुसार, युद्ध के चलते भारतीय ध्वज वाले 16 कार्गो जहाज अब भी स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ के पश्चिम में फंसे हुए हैं। इनमें एक बड़ा एलपीजी लदा जहाज भी शामिल है। इसके अलावा 5 ऑयल टैंकर, एक एलएनजी टैंकर और 3 कंटेनर जहाज भी प्रभावित क्षेत्र में फंसे हुए हैं।